राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार, 03 जुलाई 2022 वर्ष-5,अंक-158 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिवसेना का भाजपा पर तंज- टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता; 11 दिन बाद मुंबई लौटेंगे बागी विधायक

मुंबई। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में भाजपा पर तंज कसा है। शिवसेना ने लिखा- भाजपा के लोग बड़े मन और छोटे मन की बात कर रहे हैं, लेकिन अटल जी कह गए हैं, टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता। शिवसेना ने चेतावनी दी है कि सरकार अच्छे तरीके से काम करे, क्योंकि यह शिवराय का महाराष्ट्र है ना कि धृतराष्ट्र का महाराष्ट्र।

इधर, 11 दिन बाद सूरत, गुवाहाटी और गोवा घुम चुके शिवसेना के बागी विधायक शनिवार को मुंबई लौटेंगे। सभी विधायक पहले गोवा में एक मीटिंग करेंगे। इसके बाद दोपहर में चार्टड विमान से मुंबई लौटेंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे खुद सभी को लेकर आएंगे।

उद्धव ने की कार्रवाई- शिंदे को नेता पद से हटाया

महाराष्ट्र के पूर्व CM और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने वर्तमान ष्टरूएकनाथ शिंदे को पार्टी के नेता पद से हटा दिया है। उद्धव ठाकरे की ओर से पत्र जारी किया गया है। ठाकरे ने शिंदे पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और पार्टी तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

बता दें कि बालासाहेब ठाकरे ने शिवसेना में रहते हुए शिवसेना प्रमुख के पद के बाद 'शिवसेना नेता' पद का सृजन किया था। पार्टी में सबसे बड़ा पद शिवसेना प्रमुख का होता है। 'शिवसेना नेता' पार्टी की नीति निर्धारण में भाग लेते हैं।

पार्टी की तरफ से जारी पत्र में शिवसेना सुप्रीमो ठाकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री पद के लिए शिंदे पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहे हैं और उन्होंने स्वेच्छा से अपनी सदस्यता छोड़ दी है। उद्धव ठाकरे की साइन की गई चिट्ठी में कहा गया है, शिवसेना प्रमुख के रूप में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं आपको पार्टी संगठन में शिवसेना नेता के पद से हटाता हूं।

शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने बड़ा एक्शन लेते हुए एकनाथ शिंदे को पार्टी नेता पद से हटा दिया है।

सरकार के बाद अब शिवसेना की लड़ाई

महाराष्ट्र में 10 दिन तक चले सियासी ड्रामे के बाद गुरुवार को भाजपा के समर्थन से शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने। वहीं भाजपा के देवेंद्र फडणवीस को डिप्टी ष्टरू बनाया गया। CM बनने के बाद और उससे पहले भी एकनाथ शिंदे अपने गुट को असली शिवसेना बताते हुए कह रहे हैं कि वह बाल ठाकरे के हिंदुत्व के रास्ते पर चल रहे हैं।

शिंदे के विश्वास मत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे उद्धव

इससे पहले, शुक्रवार को शिंदे सरकार के विश्वास मत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में शिवसेना की याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि यह मामला हम 11 जुलाई को ही सुनेंगे। कोर्ट की टिप्पणी के बाद वकील कपिल सिब्बल भड़क गए और कहा- डेमोक्रेसी का डांस नहीं चल रहा, जिस पर कोर्ट ने कहा कि हम आंख खोलकर बैठे हुए हैं।

इधर, 11 दिन बाद सूरत, गुवाहाटी और गोवा घुम चुके शिवसेना के बागी विधायक शनिवार को मुंबई लौटेंगे। सभी विधायक पहले गोवा में एक मीटिंग करेंगे। इसके बाद दोपहर में चार्टड विमान से मुंबई लौटेंगे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे खुद सभी को लेकर आएंगे।

रेलवे का एक नियम यात्रियों की जेब करवा रहा है खाली, इंटरनेट मीडिया पर हो रहीं चर्चाएं

भोपाल। नई दिल्ली से रानी कमलापति स्टेशन के बीच चलने वाली शताब्दी में दो यात्रियों ने चाय पी। एक चाय की कीमत 20 रुपये थी, लेकिन प्रति यात्री 70-70 रुपये चुकाने पड़े। जब यात्रियों ने बिल मांगा तो पता चला कि चाय तो तय कीमत पर ही दी गई, लेकिन उसे परोसने का शुल्क 50-50 रुपये ले लिया गया। इस कारण एक यात्री दीपक कुमार झा नाराज हो गए। उन्होंने चलती ट्रेन में चाय परोसने वाले कर्मचारी को तलब किया और खरी-खोटी सुनाई। फिर क्या था, ट्रेन में खानपान व्यवस्था देने वाली ठेका एजेंसी के प्रबंधक आ गए और बहस होने लगी।

प्रबंधक ने यात्री को नियमों का पाठ पढ़ा डाला। यात्री ने पूरे मामले की शिकायत रेल मंत्रालय और खानपान सुविधा देने वाले इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन को कर दी। इसके बाद से ट्रेन में 20 रुपये की चाय पर 50 रुपये के सेवा शुल्क को लेकर इंटरनेट मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। घटनाक्रम 28 जून को नई दिल्ली से ग्वालियर के बीच का है।

जून 2018 से लिए जा रहे 50 रुपये

शताब्दी जैसी प्रीमियम श्रेणी की ट्रेनों में टिकट लेते समय पूछा जाता है कि ट्रेन में खानपान सेवा चाहिए या नहीं। यदि यात्री सहमति देते हैं तो उन्हें चाय, नाश्ता व भोजन का सिर्फ सामग्री के शुल्क के साथ किराया चुकाना पड़ता है। जो यात्री टिकट लेते समय खानपान सुविधा से मना कर देते हैं और ट्रेन के अंदर सफर करते समय चाय, नाश्ता या भोजन मंगवाते हैं, उन्हें कीमत के साथ खानपान सेवा शुल्क 50 रुपये का भुगतान करना पड़ता है। यह नियम 27 जून 2018 से लागू है।

आइआरसीटीसी का तर्क

दिल्ली स्थित आइआरसीटीसी के कार्यालय में पदस्थ एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नियमानुकूल ही सेवा शुल्क लिया जाता है।

5 हजार फीट की ऊंचाई पर दिल्ली से जबलपुर जा रहे स्पाइसजेट विमान में अचानक दिखा धुआं

कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से जबलपुर जा रहे स्पाइसजेट के एक विमान का बड़ा हादसा टल गया है। 5000 फीट से गुजरते हुए केबिन में धुआं देखते ही विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। आज सुबह दिल्ली हवाई अड्डे पर इसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। जागरण संवादाता भगवान झा के अनुसार इस विमान में 100 से ज्यादा लोग सवार थे, जिनकी जान बाल-बाल बची। बता दें कि विमान में इतना धुआं था कि लोग हाथों से पंखा झुलाते दिखे।

दूसरे विमान से भेजा गया जबलपुर

जानकारी के अनुसार यह फ्लाइट सुबह 8 बजे की थी। जिसमें अचानक से तेजी से धुआं फैलते देख लोगों में हड़कंप मच गया। इसके बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बताया जा रहा है कि सभी यात्रियों को इसके बाद दूसरे विमान से जबलपुर भेज दिया गया है।

पिछले महीने पहले भी टला था बड़ा हादसा

इससे पहले पिछले महीने 19 जून को भी स्पाइसजेट के पटना से दिल्ली जा विमान में आग लग गई थी। विमान के इंजन में खराबी के चलते लगी आग से यात्रियों में हड़कंप मच गया था। उस दौरान विमान में 185 यात्री सवार थे।

मुंबई में आफत बनी बारिश, बिहार में डूबने से 10 और वज्रपात से नौ की मौत, हिमाचल में येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली। उत्तर भारत में मानसून की बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मुंबई में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में पानी भर गया है। वहीं, बिहार में भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं और पानी गांवों तक पहुंच गया है। पानी में डूबने से अब तक बिहार में 10 लोगों की मौत हो चुकी है। इधर दिल्ली-एनसीआर में भी लगातार हो रही बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। हिमाचल में कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की मानें तो अगले एक हफ्ते तक उत्तर भारत में बारिश का दौर जारी रहेगा।

मुंबई में आफत बनी बारिश

मुंबई में मूसलधार वर्षा से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। सड़कों पर इतना पानी जमा हो गया कि लोगों के वाहन बंद हो गए। ऐसे हालात में लोगों को पानी में उतरकर वाहन के साथ बाहर निकलना पड़ा। सुबह 8.30 बजे वर्षा शुरू हुई और शाम 6.30 बजे तक कभी हल्की तो कभी झमाझम बरसती रही। निचले इलाके में अधिक पानी भर जाने से लोगों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ी। मौसम

विभाग के मुताबिक, शहर के कई हिस्सों में रिकॉर्ड 227.8 मिमी तक बारिश हुई। साथ ही बताया कि मुंबई में जो तेज बारिश हो रही है, वह अपतटीय ट्रफ और लगातार तेज पछुआ हवाओं के कारण हो रही है। राहत की बात यह है कि सप्ताहांत तक बारिश के कम होने की संभावना है।

दिल्ली में कई जगह जलजमाव

दिल्ली में मानसून पहुंच चुका है। यहां लगातार दूसरे दिन, यानी शुक्रवार को भी मानसून की वर्षा जारी रही। इससे मौसम सुहावना और ठंडा रहा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अभी एक सप्ताह तक वर्षा का दौर जारी रहेगा और इससे गर्मी से राहत भी बरकरार रहेगी।

बिहार में डूबने से 10 और वज्रपात से नौ की मौतबिहार में भी मानसून जोर पकड़ चुका है। इस कारण बाढ़ की नौबत बन आई है। कई गांवों में नदियों का पानी फैल जाने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शुक्रवार को डूबने से दस लोगों की जान चली गई। वज्रपात के कारण नौ लोगों की मौत हुई है। पूर्वी चंपारण जिला में पताही थाना क्षेत्र के बखरी गांव में ढिढोरवा नदी में घोंघा चुनने के दौरान दो नाबालिग लड़कियां डूब गईं। एक की मौत हो गई।

कोविड-19 के कारण मारे गए पत्रकारों के परिवारों को केंद्र से वित्तीय सहायता की मंजूरी

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने दी जानकारी

नई दिल्ली। देश की केंद्र सरकार ने जान गंवाने वाले 35 पत्रकारों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा की अध्यक्षता में पत्रकार कल्याण योजना समिति द्वारा रखा गया था। सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक इसमें जर्नलिस्ट वेलफेयर स्कीम के तहत ऐसे पत्रकारों के 16 परिवार को भी शामिल किया गया है, जिनकी कोविड -19 के कारण मृत्यु हो गई थी।

पांच लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता

सरकार की ओर से वित्तीय सहायता के तहत सभी 35 पत्रकारों के परिवारों को पांच लाख रुपए तक की सहायता दी जाएगी। वहीं जर्नलिस्ट वेलफेयर स्कीम के तहत समिति ने संस्था के दिशानिर्देशों के मुताबिक दो दिव्यांग पत्रकारों और पांच गंभीर बीमारियों का सामना कर रहे पत्रकारों को इलाज के लिए सहायता की भी सिफारिश की। समिति ने बैठक के दौरान कुल 1.81 करोड़ रुपये की सहायता को मंजूरी दी है। अभी तक इस योजना के तहत कोविड-19 के कारण जान गंवाने वाले पत्रकारों के 123 परिवारों को सहायता प्रदान की जा चुकी है। वर्तमान स्वीकृतियों से वर्तमान बैठक में कुल 139 परिवारों को सहायता प्रदान की गई है। इस योजना के तहत विषम परिस्थितियों के कारण पत्रकार की मृत्यु होने की स्थिति में परिवारों को 5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। वहीं स्थायी विकलांगता, गंभीर दुर्घटनाओं और गंभीर बीमारियों के मामले में भी पत्रकारों को सहायता प्रदान की जाती है। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 134 पत्रकारों और उनके परिवारों को विभिन्न श्रेणियों के तहत 6.47 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई।

ईरान में 6.0 तीव्रता के भूकंप के झटके, तीन लोगों की मौत और 19 घायल

तेहरान। ईरान में शनिवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। दक्षिणी इलाके में एक गांव में इमारत धराशायी हो गई, जिसकी चेपट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई और 19 घायल हैं। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। ऐसे में मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी की आशंका है।

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे ने कहा कि रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी गई। भूकंप का केंद्र होर्मोजगन प्रांत के बंदरगाह शहर से दक्षिण-पश्चिम में 100 किलोमीटर (60 मील) दूर था। झटके अन्य शहरों में भी महसूस किए गए।

पिछले साल नवंबर में होर्मोजगन प्रांत में 6.4 और 6.3 तीव्रता के भूकंप आए थे,

तब एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। कई टेक्टोनिक प्लेटों के किनारे पर स्थित ईरान मजबूत भूकंपीय गतिविधि का क्षेत्र है। ईरान का सबसे घातक भूकंप 1990 में आया, जिसकी तीव्रता 7.4 थी। इस प्राकृतकि आपदा के चलते 40,000 लोग मारे गए थे।

क्यों आता है भूकंप?

धरती की प्लेटों के टकराने से। हमें पृथ्वी की संरचना को समझना होगा। पूरी धरती 12 टैक्टोनिक प्लेटों पर स्थित है। इसके नीचे तरल पदार्थ लावा है। ये प्लेटें इसी लावे पर तैर रही हैं और इनके टकराने से ऊर्जा निकलती है जिसे भूकंप कहते हैं।

लेकिन प्लेटें क्यों टकराती हैं?

दरअसल ये प्लेंटे बेहद धीरे-धीरे घूमती रहती हैं। इस तरह ये हर साल 4-5 मिमी अपने स्थान से खिसक जाती हैं। कोई प्लेट दूसरी प्लेट के निकट जाती है तो कोई दूर हो जाती है। ऐसे में कभी-कभी ये टकरा भी जाती हैं।

केंद्र सरकार अपने 8000 कर्मचारियों को प्रमोशन देने के लिए तैयार, आरक्षण की भी मिलेगा लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के सदस्यों को प्रमोशन में आरक्षण देने सहित 8,089 अधिकारियों को प्रमोट करने के लिए तैयार है। इस मामले से परिचित अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। प्रमोशन में से कुल 1,734 पद प्रमोशन में आरक्षण के अंतर्गत नहीं आते हैं, जबकि 5,032 अनारक्षित हैं। सरकार ने एससी श्रेणी में 727 और एसटी श्रेणी में 207 प्रमोशन करने का फैसला किया है। 389 पदों के लिए विवरण प्राप्त नहीं हो सका।

इनमें से कई नियमित प्रमोशन छह साल से अधिक समय से लंबित थे। अधिकारियों ने इसकी लगातार मांग की थी। प्रमोशन में आरक्षण सरकार में अवर सचिव के पद तक लागू होता है। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने गुरुवार को कई आदेश जारी किए। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर हिन्दुस्तान टाइम्स से कहा, कई आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं, जबकि अन्य प्रक्रिया में हैं।÷

केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) में लगभग 4,734 अधिकारियों को नियमित प्रमोशन मिलने वाली है। इनमें 1,757 से अधिक अधिकारी शामिल। 1,472 से अधिक अनुभाग अधिकारियों को अवर सचिव के पद पर प्रमोट किया जा रहा है, जो 2015 से

लंबित है। उप सचिव रैंक पर 327 और निदेशक स्तर पर 1,097 अधिकारियों को प्रमोशन मिलेगा। केंद्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में 2,966 अधिकारियों को प्रमोट किया जाएगा। वहीं, केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के 389 अधिकारियों को प्रमोट किया जाना तय है। डीओपीटी ने कहा, अनुबंध में बताए गए सभी अधिकारी जो इस आदेश की तारीख तक सेवा में हैं, उन्हें संबंधित मंत्रालयों/विभागों में रखा जाता है, जहां वे वर्तमान में अगले आदेश तक ग्रेड में नियमित प्रमोशन पर तैनात हैं।÷ आदेश में कहा गया है, ÷किसी भी वर्ष के लिए चयन सूची में शामिल और अभी भी अवर सचिव का पद धारण करने वाले अधिकारियों को उप सचिव के पद का कार्यभार ग्रहण करना आवश्यक है। उनकी नियमित नियुक्ति केवल उसी तिथि से प्रभावी होगी। वर्तमान में प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों के मामले में उन्हें सात दिनों (कार्य दिवस) के भीतर अपनी इच्छा प्रस्तुत करके और आदेश जारी होने के 30 दिनों के भीतर सीएसआई प्रभाग को रिपोर्ट करके प्रमोशन प्राप्त करने के लिए कहा गया है। आपको बता दें कि केंद्रीय सचिवालय के अधिकारी और सीएसएस फोरम पिछले कई सालों से प्रमोशन में हो रही देरी का विरोध कर रहे हैं। अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने फरवरी में केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्री जितेंद्र सिंह से मुलाकात की थी। उनके साथ प्रमोशन के साथ-साथ अन्य सेवा मामलों पर भी चर्चा की। इस साल अप्रैल में सरकार ने सभी मंत्रालयों को सभी स्तरों पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व पर डेटा एकत्र करना शुरू करने के लिए कहा था। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, इन समूहों के लिए प्रमोशन में आरक्षण को लागू करने में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार श्रेष्ठ होना कोई कार्य नही बल्कि यह हमारी एक आदत है जिसे हम बार बार करते है। - अरस्तु

संपादकीय

भारत प्लास्टिक मुक्त कैसे हो?

(लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

प्लास्टिक पर 1 जुलाई से सरकार ने प्रतिबंध तो लागू कर दिया है लेकिन उसका असर कितना है? फिलहाल तो वह नाम मात्र का ही है। वह भी इसके बावजूद कि 19 तरह की प्लास्टिक की चीजों में से यदि किसी के पास एक भी पकड़ी गई तो उस पर एक लाख रु. का जुर्माना और पांच साल की सजा हो सकती है। इतनी सख्त धमकी का कोई ठोस असर दिल्ली के बाजारों में कहीं दिखाई नहीं पड़ा है। अब भी छोटे-मोटे दुकानदार प्लास्टिक की थैलियां, गिलास, चम्मच, काड़िया, तश्तरियां आदि हमेशा की तरह बेच रहे हैं। ये सब चीजें खुले-आम खरीदी जा रही हैं। इसका कारण क्या है? यही है कि लोगों को अभी तक पता ही नहीं है कि प्रतिबंध की घोषणा हो चुकी है। सारे नेता लोग अपने राजनीतिक विज्ञापनों पर करोड़ों रुपया रोज खर्च करते हैं। सारे अखबार और टीवी चैनल हमारे इन जन-सेवकों को महानायक बनाकर पेश करने में संकोच नहीं करते लेकिन प्लास्टिक जैसी जानलेवा चीज़ पर प्रतिबंध का प्रचार उन्हें महत्वपूर्ण ही नहीं लगता। नेताओं ने कानून बनाया, यह तो बहुत अच्छा किया लेकिन ऐसे सैकड़ों कानून ताक पर रखे रह जाते हैं। उन कानूनों की उपयोगिता का भली-भांति प्रचार करने की जिम्मेदारी जितनी सरकार की है, उससे ज्यादा हमारे राजनीतिक दलों और समाजसेवी संगठनों की है। हमारे साधु-संत, मौलाना, पादरी वगैरह भी यदि मुखर हो जाएं तो करोड़ों लोग उनकी बात को कानून से भी ज्यादा मानेंगे। प्लास्टिक का इस्तेमाल एक ऐसा अपराध है, जिसे हम 'सामूहिक हत्या' की संज्ञा दे सकते हैं। इसे रोकना आज कठिन जरुर है लेकिन असंभव नहीं है। सरकार को चाहिए था कि इस प्रतिबंध का प्रचार वह जमकर करती और प्रतिबंध-दिवस के दो-तीन माह पहले से ही 19 प्रकार के प्रतिबंधित प्लास्टिक बनानेवाले कारखानों को बंद करवा देती। उन्हें कुछ विकल्प भी सुझाती ताकि बेकारी नहीं फैलती। ऐसा नहीं है कि लोग प्लास्टिक के बिना नहीं रह पाएंगे। अब से 70-75 साल पहले तक प्लास्टिक की जगह कागज, पत्ते, कपड़े, लकड़ी और मिट्टी के बने सामान सभी लोग इस्तेमाल करते थे। पत्तों और कागजी चीज़ों के अलावा सभी चीजों का इस्तेमाल बार-बार और लंबे समय तक किया जा सकता है। ये चीजें सस्ती और सुलभ होती हैं और स्वास्थ्य पर इनका उल्टा असर भी नहीं पड़ता है। लेकिन स्वतंत्र भारत में चलनेवाली पश्चिम की अंधी नकल को अब रोकना बहुत जरुरी है। भारत चाहे तो अपने बृहद अभियान के जरिए सारे विश्व को रास्ता दिखा सकता है।

अब से 70-75 साल पहले तक प्लास्टिक की जगह कागज, पत्ते, कपड़े, लकड़ी और मिट्टी के बने सामान सभी लोग इस्तेमाल करते थे। पत्तों और कागजी चीज़ों के अलावा सभी चीजों का इस्तेमाल बार-बार और लंबे समय तक किया जा सकता है।

युद्ध स्तर पर प्रयासों से दूर होगी नशा समस्या

डॉ. के.के. तलवार

नशाखोरी एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, खासकर युवा पीढ़ी में। पंजाब इस समस्या की वजह से बुरे दौर से गुजर रहा है। पंजाब, जो कुछ दशक पहले तक महज एक नशीले पदार्थों की सप्लाई में 'आवागमन' का माध्यम था, अब खुद उपभोक्ता बन चुका है। नशे की आसान उपलब्धि, युवाओं में बेरोजगारी व प्रभावशाली प्रतिरोधक प्रयासों का न होना इस समस्या की बढ़ोतरी के मुख्य कारण हैं। फिर सीमापार से नशा पदार्थों की तस्करी करने वालों के खतरनाक मंसूबे अन्य अहम वजह है। इसे 'नशा-आतंकवाद' भी कहा जा सकता है जो युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। नशीले पदार्थों पर निर्भरता न केवल किसी के स्वास्थ्य पर असर डालती है बल्कि पूरे परिवार और समाज के सुचारु संचालन को प्रभावित करती है। इसलिए यह मनो-सामाजिक और मेडिकल पहलू से गंभीर विषय है। पंजाब में इस समस्या से निबटने के प्रयासों के वांछित परिणाम नहीं मिल पाए। शायद अब समय आ गया है कि युद्ध की तरह लेकर अभिनव प्रयासों, अधिक प्रतिबद्धता और निष्ठा से इस गंभीर सामाजिक समस्या से पार पाया जाए। नशाखोरी निवारण करने में मांग-आपूर्ति में कमी लाना और इसका शिकार बने या आदी बने लोगों की विशेष देखरेख और मदद करने वाला प्रबंधन भी शामिल है। इस सामाजिक बीमारी से निपटने में मांग और आपूर्ति में कमी लाना द्वि-आयामी कार्यवाही है जहां आपूर्ति की कमी बनाना कानून लागू करवाने वालों और जांच एजेंसियों के प्रयास पर निर्भर है वहीं मांग में कमी मुख्यत: प्रतिरोधक कोशिशों और सामाजिक एकजुटता से बन सकती है। मांग में कमी लाने को सामाजिक ताने-बाने व संस्कृति पर आधारित प्रतिबद्धता और नूतन प्रयासों की जरूरत है। अनेकानेक अध्ययन बताते हैं कि शराब और अन्य नशों का सेवन करने में 16-21 साल का युवा वर्ग अधिक जिज्ञासु है और वे आसानी से खिंचे चले जाते हैं। चूंकि इस आयु वर्ग का अधिकांश समय उच्चतर विद्यालयों, कॉलेजों या घर में व्यतीत होता है। इसलिए इन जगहों पर स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर शिक्षा विभाग और सामाजिक ताना-बाना अपने प्रयासों से नशे की मांग में कमी लाने हेतु जागृति बनाए। राष्ट्रीय नशा मांग निवारण कार्यक्रम (डीडीआरपी) के तहत सूचना, संचेतना अभियान, शिक्षा और शिकार बने व्यक्ति की जल्द मदद करने वाले अवयव हैं। शराब और नशाखोरी पर केंद्र सरकार की योजनाओं को सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्रालय क्रियान्वित करता है। भारत में नशीले पदार्थों के सेवन की पैठ और तौर-तरीकों पर किए गए पहले राष्ट्रीय अध्ययन की रिपोर्ट फरवरी, 2019 में आई थी। इसके मुताबिक नशाखोरी में शराब का हिस्सा सबसे अधिक है। सामाजिक भलाई मंत्रालय ने नशे की मांग में कमी लाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन शुरू किया है। 'नशा मुक्त भारत अभियान' का उद्देश्य युवा लड़के-लड़कियों को इस लत के दुष्परिणामों पर केंद्रित वैध और सटीक जानकारी देते हुए नशे के खिलाफ प्रेरणा, जागरूकता और संवेदनशीलता बनाना है। उल्लेखनीय है कि इस कार्यक्रम को सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण मंत्रालय ने 15 अगस्त, 2020 के दिन शुरू किया था। मांग में कमी लाने के लिए सभी राज्यों को अपने स्थानीय विशिष्ट कारकों और सामाजिक व्यवहार पर आधारित योजना बनाने की जरूरत है। क्रियान्वयन में बृहत डीडीआरपी योजना और तमाम संबंधित पक्षों एवं मुख्य कार्यकारी अंग जैसे कि शिक्षा, संस्कृति और स्वास्थ्य विभागों के अलावा सामुदायिक नेताओं और बहु-एजेंसियों की पहल की जरूरत है। स्कूल-कॉलेज स्तर पर नशाखोरी के खिलाफ शिक्षा और जागरूकता बनाने को राज्यस्तरीय तरजीह दी जाए। यह जिम्मेवारी सामाजिक ज्ञान, मनोविज्ञान विषय के अध्यापकों के अतिरिक्त पेशेवर स्वास्थ्य कर्मियों को सौंपी जा सकती है। इस अभियान के तहत समय रहते रोक-टोक, नशों के बुरे असर पर जागरूकता, व्यक्ति विशेष और परिवार एवं समाज में स्वास्थ्य और सामाजिक भलाई की अहमियत जगाना है। इस प्रतिरोधक कार्यक्रम में स्वस्थ जीवनचर्या अपनाने के फायदों पर ज्यादा जोर दिया जाए। डीडीआरपी और चिकित्सीय योजना एवं निगरानी करने वाली रणनीति बनाने में राज्यस्तरीय विशेषज्ञ प्रतिबद्ध समूह सहायता कर सकता है। मांग में कमी लाने का अन्य पहलू नशीले पदार्थों तक पहुंच सीमित करना है। युवाओं की शराब तक पहुंच आसान न हो। हालांकि कानून के अनुसार 21 साल से कम के युवा शराब खरीद या सेवन नहीं कर सकते। किंतु दुर्भाग्यवश कानून लागू करवाने वाली प्रशासनिक इकाइयां इन रोकों का पालन कड़ाई से नहीं करवा पातीं। मांग कम करवाने की कड़ी में किसी नशीले पदार्थ तक पहुंच एक प्रमुख अवयव है, जब नशा महंगा होगा तो गैरकानूनी नशीली दवाओं का सेवन करने वाले भी कम हो जाते हैं। एक नशीले पदार्थ की कम उपलब्धता नशेड़ी को किसी अन्य नशे की ओर मोड़ देती है और इस तरह यह प्रवृत्ति मांग कम बनाने वाली गतिविधियों-प्रयासों में एक अचड़न बन जाती है। अतएव शराब समेत तमाम नशीले पदार्थों तक आसान पहुंच को कम करना चाहिए। सामाजिक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाना एक अन्य तरजीह हो। पंजाब सरकार द्वारा संगरूर में हाल ही में आयोजित की गई साइकिल रैली एक श्लाघायोग्य प्रयास है। इसी तरह मंत्रियों, सामाजिक नेता और वरिष्ठ राजकीय अफसरों की शिरकत इस पवित्र काम में होने के दूरगामी प्रभाव बनेंगे। इस किस्त के प्रयास जागरूकता और असर पैदा करते हैं और समाज की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देते हैं। शहर और गांव, दोनों जगह सामुदायिक भागीदारी बनाना मुख्य एजेंडा और ध्यान का केंद्र हो। नशे की ओर झुकाव में बेरोजगारी एक अन्य कारण है, जो युवाओं को नशे की लत की ओर खींचता है। राज्यस्तर पर, कॉलेजों में नाना प्रकार के कौशल-आधारित कोर्स शुरू करने की जरूरत है, जिससे कि युवा पीढ़ी का रोजगार सुनिश्चित हो सके। कौशल युक्त युवाओं की सहायता हो और उन्हें न केवल राज्य और देशभर में रोजगार पाने में मार्गदर्शन किया जाए, बल्कि विदेशों में भी। डीडीआर कार्यक्रम की सफलता राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामुदायिक सहयोग पर निर्भर है। मांग और आपूर्ति में कमी लाने के प्रयास इस समस्या से निपटने में सफलता के लिए सबसे जरूरी हैं। हालांकि आपूर्ति की कमी बनाने में आमतौर पर मुख्यत: प्रयास सरकारों का होता है, लेकिन प्रशासन को चाहिए कि मांग में कमी लाने वाले अवयव पर वांछित ध्यान और तरजीह देना भी मुख्य प्रयासों का हिस्सा हो। बेशक पीड़ित और उनके परिवार को मानवीय मदद की जरूरत होती है। नशा छुड़ाने वाले प्रयास प्रमाण-आधारित उपचार से हों ताकि नीम-हकीमों को दूर रखा जा सके। यही समय है कि जब इस अलामत से छुटकारा पाने और हमारी युवा पीढ़ी बचाने में राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से ऊपर उठकर पूरे सूबे के लोग एकजुट हों।

लेखक पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के निदेशक रहे हैं।

एक और अजीबो-ग़रीब क़ानून की तैय्यारी में सरकार?

(लेखिका-- निर्मल रानी/ ईएमएस)

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले दिनों दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करने के दौरान कहा कि वह सड़क पर 'ग़लत तरीक़े ' से वाहन खड़े करने की 'प्रवृत्ति' को रोकने के लिए एक क़ानून लाने पर विचार कर रहे हैं। इस क़ानून के तहत जो व्यक्ति 'ग़लत तरीक़े' से गाड़ी की पार्किंग करेगा, उस वाहन मालिक के ख़िलाफ़ 1000 रूपये का जुर्माना लगाया जायेगा। साथ ही यह भी की जो व्यक्ति 'ग़लत तरीक़े' से पार्क की गयी गाड़ी की फ़ोटो खींच कर भेजेगा यानी 'सरकार की मुख़बिरी' करेगा,सरकार उसे 500 रुपये की धनराशि इनाम के तौर पर भी देगी। गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से एक कंप्लेंट नंबर भी जारी किया जायेगा। गोया इस क़ानून के बनने के बाद अब रोड साइड पर केवल चार पहिया वाहन ही नहीं बल्कि मोटरसाइकिल स्कूटर व स्कूटी आदि खड़ी करने वाले लोगों को भी जुर्माना देना होगा। इस क़ानून को लाने के पीछे गडकरी का तर्क है कि लोग अपने वाहनों के लिए पार्किंग नहीं देखते हैं। कहीं भी बाइक या अन्य वाहन खड़ा कर देते हैं। अत: इस नियम के शुरू होने से लोगों को ध्यान रहेगा कि ग़लत जगह पार्किंग करने पर एक हज़ार रुपये देना होगा। साथ ही इनाम के कारण लोग जागरूक भी होंगे। गडकरी के इस बयान के बाद ही आमलोगों में इस प्रस्तावित क़ानून को लेकर चर्चा शुरू हो गयी है। लोग यह बातें करने लगे हैं कि ऐसा क़ानून जनहितकारी होगा या इससे जनता में परेशानी और वैमनस्य बढ़ेगा ? कहीं यह क़ानून भी नोटबंदी की तरह जन अहितकारी तो साबित नहीं होगा ? इसमें कोई शक नहीं कि हमारे देश के आम लोग जनसाधारण से जुड़ी तमाम बातों को लेकर काफ़ी लापरवाह हैं। अतिक्रमण,इसके चलते बाज़ारों में जाम की समस्या,ग़लत तरीक़े से गाड़ी पार्क कर देना,जहां चाहा वहीं खड़े होकर मूत्र विसर्जन करने लगना,कूड़ा करकट सड़कों,गलियों व नालियों में फ़ेंकना यहाँ तक कि पान,तंबाकू खैनी आदि खाकर कहीं भी थूक देना जैसी असहज करने वाली अनेक प्रवृति गोया लोगों का स्वभाव बन चुकी है। कोई भी सभ्य समाज इसे क़तई अच्छा नहीं कह सकता। परन्तु यह एक सच्चाई है। अंग्रेज़ों ने इन सबसे बचने का दूसरा तरीक़ा निकाला था जिसे हम भारतीय नापसंद करते थे। उदाहरण के तौर पर इलाहाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में शहरी क्षेत्र से प्रवेश करने के मुख्य द्वारा यानी निरंजन सिनेमा के निकट रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे ब्रिटिश शासनकाल में एक बोर्ड लगाया गया था जिसपर लिखा था कि कोई भी भारतीय सायंकाल 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक सिविल लाइन क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकता। और भारतीय लोगों को रोकने के लिए इसी जगह पर दो भारतीय घुड़सवार खड़े होते थे जो अंग्रेज़ों के इस आदेश को अमल में लाते थे। बुज़ुर्ग बताते हैं कि ऐसा नियम इसी लिये था कि शाम के वक़्त अंग्रेज़ों का परिवार सैर सपाटा और शॉपिंग करने निकलता था और अंग्रेज़ नहीं चाहते थे कि उस दौरान कोई सड़कों पर खड़े होकर मूत्र विसर्जन करता या थूक कर सार्वजनिक स्थलों को लाल पीला करता या अनर्गल चीख़ता चिल्लाता या अंग्रेज़ मेम्स की नंगी टांगें या उनके लिबास को निहारता दिखाई दे। अत: हम भारतवासियों के एक बड़े वर्ग की असहज व विचलित करने वाली इस तरह की प्रवृत्तियों से निश्चित रूप से इंकार नहीं किया जा सकता। परन्तु स्वतंत्र देश में पार्किंग नियंत्रित करने के लिये प्रस्तावित ऐसे क़ानून वह भी जनता को सुख पहुँचाने वाले कम और सरकारी राजस्व को बढ़ाने वाले व जनता को परेशान करने वाले अधिक प्रतीत होते हैं। इसके लिये तो सरकार को ही जगह जगह पार्किंग का प्रबंध करना चाहिये। ठीक वैसे ही जैसे कि निश्चित रूप से सड़क पर कहीं भी शौच या मूत्र विसर्जन ग़लत है। परन्तु यदि किसी को कहीं अचानक इसकी ज़रुरत महसूस हो तो इसके लिये जगह जगह साफ़ सुथरा शौचालय उपलब्ध कराना भी तो आख़िर सरकार की ही ज़िम्मेदारी है ? इसी तरह सरकार ने विभिन्न अलग अलग मार्गों व क्षेत्रों में वाहन की गति नियंत्रण के अलग अलग मापदंड बना रखे हैं। कहीं अधिकतम गति सीमा 40 किलोमीटर प्रति घंटा है तो कहीं 60,80 या 100 किलोमीटर। परन्तु यदि कोई वी आई पी या वी वी आई पी इनमें से किसी भी मार्ग अथवा क्षेत्र से गुज़र रहा हो तो उसके लिये गति सीमा का कोई निर्धारण नहीं ? यहां तक कि फ़ायर ब्रिगेड की गाड़ी को भी अति विशिष्ट व्यक्ति के क़ाफ़िले के साथ 100 और 120 किलोमीटर की रफ़्तार से भागना पड़ता है जोकि उसकी क्षमता के बाहर है। परन्तु कैमरा चालान प्रणाली से तो आम आदमी के वाहन के एक ही दिन में ओवर स्पीड के कई कई चालान हो जाते हैं ? जनता को परेशान करने वाला क़ानून का यह दोहरा मापदंड नहीं फिर आख़िर क्या है ? गडकरी द्वारा प्रस्तावित क़ानून में जहाँ पार्किंग स्थल की कमी एक समस्या साबित होगी वहीं किसी के फ़ोटो खींचकर भेजने से आपसी रंजिश व वैमनस्य बढ़ने की भी पूरी संभावना है। इसके चलते समाज में रंजिश व मनमुटाव भी बढ़ सकता है। साथ ही बेरोज़गारी के इस दौर में लोग 500 रूपये इनाम की लालच में पैसे कमाने के चक्कर में इसी 'अवैध पार्किंग मुख़बिरी' को ही अपना व्यवसाय भी बना सकते हैं। 'व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी' में तो इस विषय पर लोग यह भी पूछ रहे हैं कि यदि कथित अवैध रूप से पार्क किये गये एक ही वाहन की एक ही समय में एक से अधिक 'मुख़बिरों ' ने सरकार को फ़ोटो भेजी तो क्या सारे ही मुख़बिर इनाम के हक़दार होंगे ? सरकार नोटबंदी,जी एस टी और कृषि सुधार अध्यादेश जैसे कई विवादित क़ानूनों पर पहले ही काफ़ी आलोचना झेल चुकी है। अब यदि फिर सरकार, वाहन पार्किंग को लेकर ऐसे क़ानून बनाती है तो वह भी शर्तिया तौर पर असफल भी होगा और आम लोगों के लिये कष्टकारी भी साबित होगा। ख़ासतौर पर पहाड़ी इलाक़ों में और महानगरों या बड़े शहरों में तो सफल होने की बिल्कुल उम्मीद नहीं।

आज के कार्टुन

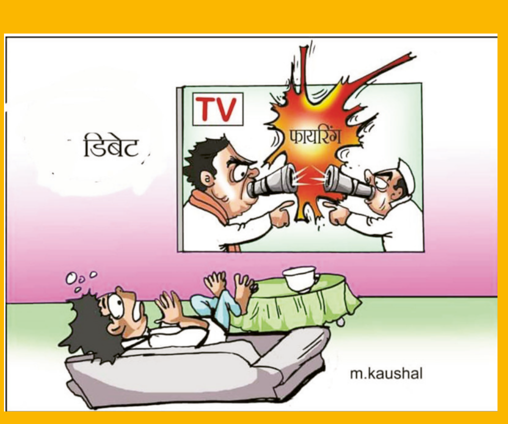

कश्मीर

आचार्य रजनीश ओशो/ भारत में मैं कई राजनेताओं को जानता हूं किन्तु उनमें दिमाग नहीं पाया। मेरा एक मित्र भारतीय सेना का कमांडर इन चीफ था। नाम था जनरल चौधरी। जब पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया तो इस आदमी ने प्रधानमंत्री से हमले का मुकाबला करने की अनुमति मांगी। चौधरी का सुझाव था कि हमें पाकिस्तान पर चार-पांच मोचरे से आक्रमण करना चाहिए। वे समझ नहीं पाएंगे अपनी सेना कहां भेजें? जनरल चौधरी ने मुझे बताया कि बाद में सार्वजनिक रूप से तो वे ससम्मान सेवानिवृत्त हुए लेकिन सचाई यह है कि उन्हें निकाला गया था। कहा गया था-'या तो इस्तीफा दें या हम आपको बाहर निकाल देंगे।' अपराध क्या था उनका? अपराध था कि उन्होंने 6 बजे के स्थान पर सुबह 5 बजे पाकिस्तान पर हमला कर दिया, क्योंकि उनकी नजर में यही सही समय था, 6 बजे तो सूर्योदय हो जाएगा, लोग जाग जाएंगे। देखते ही देखते भारतीय सेनाएं पाकिस्तान से सबसे बड़े शहर लाहौर से सिर्फ 15 मील दूर रह गई। तभी उन्होंने रेडियो पर सुना-'जनरल चौधरी लाहौर में प्रवेश कर रहे हैं।' यह स्थिति राजनेताओं के लिए असहनीय थी। उन्होंने लाहौर से सिर्फ 15 मील दूर उन्हें रोक दिया। जहां तक मैं समझता हूं, यह मूर्खता की पराकाष्ठा थी। उस दिन लाहौर जीत लिया जाता, कश्मीर की समस्या और भारत का सरदर्द हमेशा के लिए हल हो गया होता। जनरल चौधरी ने प्रधानमंत्री से साफ कहा-'सैन्य रणनीतियों को मैं समझता हूं, आप नहीं। आप छह बजे की बात करते हैं पर उस समय भी आपका ऑर्डर कहां था? पाकिस्तान ने पहले ही कश्मीर के सबसे सुंदर हिस्से पर कब्जा कर लिया था-और आप पूरी रात चर्चा ही करते रहे। यह चर्चा का समय नहीं था- युद्ध के मैदान पर फैसला किया जाना चाहिए था। अगर आपने मुझे लाहौर में जाने की अनुमति दी होती तो हम सौदेबाजी की स्थिति में होंते। अब हम सौदेबाजी की स्थिति में नहीं हैं। आपने मुझे वापस बुला लिया और मुझे वापस आना पड़ा।' मैंने जनरल चौधरी से कहा था-'यह एक साधारण सी बात थी कि आपको सौदेबाजी की स्थिति में होना चाहिए था। यदि आपने लाहौर ले लिया होता तो वे कश्मीर छोड़ने के लिए मजबूर हो जाते क्योंकि वे लाहौर खोना बर्दाश्त नहीं कर सकते थे। उसके बाद अगर कोई संघर्ष विराम होता भी तो सौदेबाजी करते समय लाहौर हमारे पास होता। अब सौदेबाजी के लिए भारत के पास क्या है? पाकिस्तान को क्या परेशानी?'' लेकिन राजनेताओं में दिमाग होता ही कहां है?'

सू-दोकू नवताल -2155

		8		1	6			3
			4					2
9			5	8		1		
	4			3			2	1
6		5	7		4	3		8
2	8			6			7	
		7		5	8			4
3					2			
8			3	9		5		

सू-दोकू 2154 का हल

3	9	1	5	8	2	6	7	4
5	2	7	3	4	6	9	8	1
8	6	4	7	9	1	5	2	3
4	8	3	6	2	9	1	5	7
6	1	5	4	7	3	2	9	8
2	7	9	1	5	8	3	4	6
9	3	8	2	6	4	7	1	5
1	5	2	8	3	7	4	6	9
7	4	6	9	1	5	8	3	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2155

1	■	2		■	3		4		5
6	7		■	8		■		■	
■		■	9		■	10	■	11	
12			■	13	14		■		■
■		■	15	■		■	16		17
18		19		■		■		■	
	■		■	20			■	21	
22		■	23	■		■	24		■
	■	25		26	■	27		■	28
29			■	30		■	31		

बायें से दायें:-

2. संजीव कुमार, सुचित्रा सेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-2
3. 'इस दीवाने लड़के को' गीत वाली फिल्म-5
6. 'देखो जी देखो मेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-3
8. फिल्म 'हैलो ब्रदर' की नायिका-2
9. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-2
11. ऋषि कपूर, अश्विनी भावे, जेबा बख्तियार की फिल्म-2
12. धर्मेन्द्र, सनी, बॉबी, कैटरीना, शिल्पा शेट्टी अभिनीत फिल्म-3
13. फिल्म 'मि. इंडिया' की नायिका-3
16. फिल्म 'बंदिनी' में अशोक कुमार के साथ नायिका-3
18. बॉबी देओल, ट्विंकल की 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-3
20. राजेश खन्ना, अमिताभ, शर्मिला की फिल्म-3
21. संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, एशा देओल, राइमा सेन की फिल्म-2
22. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-2
24. अमिताभ,अमृता सिंह की फिल्म-2
25. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला सिन्हा की फिल्म-3
27. अक्षय कुमार, रवीना टंडन की 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
29. 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली अमिताभ, वहीदा, जीनत अमान, परवीन बाबी की फिल्म-3
30. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की 'अब चाहे सर फूटे या माथा' गीत वाली फिल्म-2
31. 'मुझे दुनिया वालों शराबी ना समझो' गीत वाली दिलीप कुमार, वैजयंतीमाला की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. प्रशांत और ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
2. अमिताभ, अक्षय कुमार, अर्जुन रामपाल, सुष्मिता अभिनीत फिल्म-2
3. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक-2
4. 'चांद सिफारिश जो करता हमारी' गीत वाली फिल्म-2
5. फिल्म 'गॉडमदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-3
7. राजकुमार, विनोद मेहरा, हेमा मालिनी, राखी अभिनीत फिल्म-2,3
8. फिल्म 'जी चाहता है' में जॉय मुखर्जी के साथ नायिका-3
10. संजीव कुमार, नूतन अभिनीत फिल्म-2
11. 'बहके बहके कदम हैं' गीतवाली फिल्म-3
14. फिल्म 'लव मैरिज' में माला सिन्हा के साथ नायक-2,3
15. सनी, सलमान, करिश्मा, अभिनीत फिल्म-2
16. फारुख शेख, पूनम ढिल्लों की फिल्म-2
17. फिल्म 'रात और दिन' की नायिका-3
18. अशोक कुमार, प्रदीप कुमार, मीना कुमारी अभिनीत फिल्म-2,3
19. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन, तारा शर्मा की फिल्म-2
21. राजेश खन्ना, हेमा,पूनमढिल्लो की फिल्म-2
23. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-2
24. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
25. आमिर, मनीषा अभिनीत फिल्म-2
26. विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी, अमजद की फिल्म-2
28. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2154

गु	म	श	ह	■	मो	■	झु	म	रू
प्त	■	खी	■	से	ह	श	■	हि	■
■	अ	■	आ	■	श	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न	■	■	ली	■	वि
■	ने	■	की	■	ह	म	■	वि	■
चे	■	ता	क	त	■	म	हा	श	जा
त	ब्बू	■	स	■	दा	ता	■	स	■
ना	■	प्रे	म	रे	ग	■	सौ	त	न
■	धू	म	■	श	■	फि	दा	■	ग
पा	प	■	जा	न	■	जा	■	हे	मा

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com | www.facebook.com/krantisamay1 | www.twitter.com/krantisamay1

697 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी का साथ सोना उछला, चांदी लुढ़की

नई दिल्ली । भारतीय सर्राफा बाजार में गोल्ड ने तेज छलांग लगाई। उसकी साप्ताहिक कीमतों में तेजी आई है। वहीं सोने के विपरीत चांदी के भाव में गिरावट आई है। इस कारोबारी हफ्ते में सोने के भाव में 697 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है जबकि चांदी के भाव में 3059 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी गिरावट आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन यानी आईबीजीए के मुताबिक, इस बिजनेस वीक (27 जून से 1 जुलाई) की शुरुआत में 24 कैरेट सोने का रेट 51,094 था, जो शुक्रवार तक बढ़कर 51,791 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं, 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 60,832 से घटकर 57,773 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। बता दें कि आईबीजीए की ओर से जारी कीमतों से अलग-अलग शुध्दता के सोने के स्टैंडर्ड भाव की जानकारी मिलती है। ये सभी दाम टैक्स और मेकिंग चार्ज के पहले के हैं। आईबीजीए द्वारा जारी किए गए दरें देशभर में सर्वमान्य हैं लेकिन इसकी कीमतों में जीएसटी शामिल नहीं होती है। केंद्र सरकार ने सोने पर आयात शुले क में पांच फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। आयात शुले क को 7.5 फीसदी से बढ़ाकर 12.5 फीसदी कर दिया है। सरकार के इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने से देश में सोने की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। सरकार ने यह कदम देश में सोने की मांग को घटाने के लिए उठाया है। गौरतलब है कि जेम्स और ज्वेलरी निर्यात में 2021-22 में तेजी आई है और पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह करीब 55 फीसदी बढ़कर 39.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इंडस्ट्री बॉडी जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल यानी जीजेईपीसी ने बताया कि रत्न एवं आभूषण का ग्रॉस निर्यात 2020-21 में 25.40 अरब डॉलर रहा।

अब ज्यादा सुरक्षित हो जाएगा नेशनल पेंशन सिस्- टम में निवेश करना

15 जुलाई से बदल रहे फंड मैनेजर्स के लिए नियम, सभी योजनाओं पर निवेशकों को देनी होगी रिस्क की जानकारी

नई दिल्ली । नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करना अब और भी सुरक्षित हो जाएगा। पेंशन नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) फंड मैनेजर्स के लिए 15 जुलाई से नए नियम लागू कर रहा है। फंड मैनेजर्स को अब सभी योजनाओं पर रिस्क की जानकारी निवेशकों को देनी होगी। इसके लिए एनपीएस में आने वाली सभी स्कीमों को रेटिंग देनी होगी, जो उस स्कीम के जोखिम के स्तर को बताएंगे। नियामक ने एक सर्कुलर जारी कर कहा है कि एनपीएस लंबी अवधि के निवेश विकल्प के लिए एक बेहतर एसेट बनता जा रहा है और अगर इसमें सही तरीके से पैसा लगाया जाए तो रिटायरमेंट के लिए अच्छा फंड जुटाया जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि स्कीम के जोखिम का पता निवेशकों को चलता रहे। 15 जुलाई से लागू नए नियम के तहत एनपीएस की स्कीमों के जोखिम को 6 स्तरों पर पहचाना जाएगा। इसमें कम जोखिम, कम से मध्यम जोखिम, मध्यम जोखिम, मध्यम उच्च जोखिम, उच्च जोखिम और बहुत अधिक जोखिम जैसी रेटिंग दी जाएगी। नियामक ने कहा है कि पेंशन फंड के साथ उसके जोखिम भी जुड़े होते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि निवेशकों को इन जोखिमों के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि उन्हें सही एसेट चुनने में आसानी हो। सर्कुलर में कहा गया है कि पेंशन फंड से जुड़ी सभी वेबसाइट पर पोर्टफोलियो डिस्े क्लोजर नाम से सेग्मेंट बनाया जाए। इसमें हर तिमाही की समाप्ति के बाद 15 दिन के भीतर रिस्क प्रोफाइल को बताया जाए। साथ ही इसकी भी जानकारी दी जाए कि सालभर में रिस्क के स्तर में कितनी बार बदलाव आया है। कुल मिलाकर रिस्े क प्रोफाइल का मूल्यांकन हर तिमाही करने के साथ इसकी जानकारी वेबसाइट पर देना अनिवार्य होगा। साथ ही पेंशन फंड को इसकी जानकारी पेंशन ट्रस्ट को भी देनी होगी। साल की समाप्ति पर 31 मार्च को पेंशन फंड को अपनी वेबसाइट पर यह बताना होगा कि इस दौरान कितनी बार रिस्क लेवल में बदलाव आया है। अभी पेंशन स्कीम के तहत चार तरह के विकल्प आते हैं। इक्विटी, कॉरपोरेट डेट, सरकारी बांड और वैकल्पिक एसेट। हर एसेट क्लास में भी योजनाओं के दो स्तर होते हैं। ग्राहक पहले फंड मैनेजर का चुनाव करता है और फिर निवेश विकल्पों में से किसी को चुनता है।

सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध के बाद एफएमसीजी व सिगरेट कंपनियों ने दिखाई तेजी

नई दिल्ली ।

सरकार ने शुक्रवार से प्लास्टिक से बने स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लागू कर दिया है, जिसके बा द से रोजमर्रा के सामान बनाने वाली बड़ी कंपनियों (एफएमसीजी) एवं कृषि-खाद्य इकाइयों ने फलों के जूस एवं डेयरी उत्पादों के पैक के साथ कागज से बने स्ट्रॉ की पेशकश की तरफ कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। पार्ले एग्रो, डाबर, अमूल और मदर डेयरी जैसी प्रमुख कंपनियों ने टेट्रा पैक के साथ अब प्लास्टिक स्ट्रॉ की जगह कागज से बने स्ट्रॉ एवं अन्य वैकल्पिक समाधानों की पेशकश करनी शुरू कर दी है। उद्योग निकाय एक्शन अलायंस फॉर रिसाइक्लिंग बीवरेज कार्टंस (एएआरसी) ने कहा कि एफएमसीजी कंपनियों को प्लास्टिक स्ट्रॉ के कारगर विकल्प तलाशने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में जल्द ही कारगर विकल्प नहीं मिलने पर इन उत्पादों की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। एकल उपयोग वाले प्लास्टिक (एसयूपी) पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा पिछले साल की गई थी और यह प्रतिबंध एक जुलाई से अमल में आ गया है। इस बीच सिगरेट विनिर्माता कंपनियों ने भी सिगरेट के पैक पर लगने वाली पतली प्लास्टिक परत के विकल्प के तौर पर प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाने वाली (बायोडिग्रेडेबल) परत का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। सिगरेट उद्योग की संस्था टोबैको इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने इस कदम की प्रशंसा की है। आईटीसी, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया, वीएसटी इंडस्ट्रीज जैसी कंपनियां इसकी सदस्य हैं।

विश्व बैंक से भारत को स्वास्थ्य, निजी निवेश के लिए मिला 1.75 अरब डॉलर का कर्ज

नई दिल्ली । विश्व बैंक ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना और निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए कुल 1.75 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 13,834.54 करोड़ रुपए) के कर्ज को मंजूरी दी है। इस कर्ज में से एक अरब डॉलर स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए दिए जाएंगे, जबकि शेष 75 करोड़ डॉलर अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए दिए जाएंगे। यह कर्ज विकास नीति ऋण (डीपीएल) के रूप में होगा। विश्व बैंक के कार्यकारी निदेशक मंडल ने भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र को समर्थन बढ़ाने के लिए 50-50 करोड़ डॉलर के दो पूरक ऋणों को मंजूरी दी। विश्व बैंक ने कहा कि एक अरब डॉलर के इस संयुक्त वित्तपोषण के जरिए विश्व बैंक भारत की प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) का समर्थन करेगा। इस योजना की शुरुआत अक्टूबर 2021 में हुई थी। इस धनराशि का उपयोग देश भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए किया जाएगा। एजेंसी ने कहा कि एक ऋण के तहत आंध्र प्रदेश, केरल, मेघालय, ओडिशा, पंजाब, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश जैसे सात राज्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

2000 रुपए तक महंगा हो सकता है सोना

- सोने पर आयात शुल्क में हुई बढ़ोतरी का असर घरेलू सराफा बाजार पर भी पड़ेगा

नई दिल्ली । सोने की कीमतें लगभग दो महीने से स्थिर रहने के बाद अब बढ़ सकती है क्योंकि सोने के आयात पर शुल्क में बढ़ोतरी के बाद अब सराफा बाजार में भी इसका असर दिखेगा। सरकार ने 1 जुलाई से सोने पर आयात शुले क 10.75 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है। मई में सोने का आयात 23 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, जिससे रुपए पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है और 1 जुलाई को यह डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर चला गया था। नया आयात शुल्क 30 जून से ही प्रभाव में आ गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि भारत अपनी जरूरतों के लिए पूरी तरह सोने के आयात पर निर्भर है, लिहाजा आयात शुल्क में हुई बढ़ोतरी का असर घरेलू सराफा बाजार पर भी पड़ेगा और जल्द ही इसकी कीमतों में 2,000 रुपए प्रति 10 ग्राम का उछाल आ सकता है। पहले से ही महंगाई से जूझ रही जनता के लिए अब सोना खरीदना और महंगा हो जाएगा जिससे की मांग पर भी असर पड़ेगा। सोने पर आयात शुल्क में वृद्धि के साथ ही इस पर लगने वाला कुल टैक्स 18.45 फीसदी पहुंच गया है। दरअसल, अभी तक सोने पर आयात शुल्क 7.5 फीसदी था, जिसे 5 फीसदी बढ़ाकर 12.5 फीसदी कर दिया गया है। इसके अलावा 2.5 फीसदी का एग्रीकल्े चर इन्फ्रास्ट्रक्चर सेस भी लगाया जाता है, जिससे प्रभावी सीमा शुले क 15 फीसदी हो जाता है। इसमें 0.45 फीसदी नेट ड्यूटी चार्ज जोड़ते हैं। इसके अलावा 3 फीसदी जीएसटी भी सोने पर लगता है, जिससे इसका कुल टैक्े स बढ़कर 18.45 फीसदी पहुंच जाता है। देश में सोने का आयात मई में डेढ़ गुने से भी ज्यादा बढ़ गया। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, मई में सोने का आयात पिछले साल से 56 फीसदी बढ़ा है, जबकि इस पर होने वाला खर्च 677 फीसदी बढ़कर 5.83 अरब डॉलर रहा।

बीते सप्ताह हिचकोले लेता रहा शेयर बाजार, विशेषज्ञों की नजर में अगले हफ्ते कैसा होगा जाने

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार बीते सप्ताह हिचकोले लेता रहा। हालांकि, जून के आखिरी कारोबारी हफ्ते में सेंसेक्स और निफ्टी ने बेहद मामूली सुधार देखा गया। शुक्रवार को कारोबार बंद होने तक सेंसेक्स 0.34 फीसदी की बढ़त के साथ 52907 और निफ्टी 0.33 फीसदी बढ़कर 15752 पर बंद हुआ। पूरे जून महीने की बात करें तो सेंसेक्स में 4.5 फीसदी और निफ्टी में 4।8 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। बाजार ने पिछले हफ्ते रुपये की ऐतिहासिक गिरावट देखी। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की बिकवाली, पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर एक्सपोर्ट ड्यूटी और ढुलमुल वैश्विक संकेतों ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले हफ्ते घरेलू बाजार से 6836.71 करोड़ रुपये निकाल लिए। वहीं, समान अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5926 करोड़ रुपये की खरीदारी की। जून महीने में एफआईआई ने 58112 करोड़ रुपये की बिकवाली की तो डीआईआई ने बाजार में 46599 करोड़ रुपये डाले।

रुपया पिछले हफ्ते डॉलर के मुकाबले 79 रुपये के स्तर को पार कर अपने अब तक के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया। रुपये ने 79.11 का अपना नया लो बनाया। सप्ताह के अंत में रुपया डॉलर के मुकाबले 79.04 के स्तर पर बंद हुआ। शेयरखान के गौरव रत्नपानी कहते हैं कि बाजार ने पिछले हफ्ते शुरुआत अच्छी की थी लेकिन इस बढ़त को कायम नहीं रख पाया। उन्होंने कहा है कि अगर निफ्टी 15900-15600 के एरिया में जाता है तो बिकवाली देखने को मिलेगी और 15600-15500 के बीच जाने पर निवेशकों के पास खरीदारी का मौका होगा। उनका कहना है कि निफ्टी 15500-15900 की रेंज में रहेगा।

सेम्को सिक्योरिटीज के येशा शाह का कहना है कि अगले हफ्ते भी उतार-चढ़ाव कायम रहेगा। उन्होंने कहा है कि निवेशकों की नजर फेडरल ओपन मार्केट कमिटी के मिनट पर रहेगी और चीन के महंगाई के आंकड़े भी अगले हफ्ते आ सकते हैं। उनका कहना है कि निफ्टी के लिए 15930 बड़े ब्रेक के रूप में नजर आ रहा है और शॉर्ट टर्म गेन के लिए बाजार को यह बाधा तोड़नी होगी। टेक्निकल एनालिस्ट मनीष शाह ने भी कहा है कि बड़ी रैली के लिए निफ्टी को 15950-16000 के दायरे से बाहर निकलना होगा। उन्होंने कहा है कि एक बार निफ्टी 16000 के पार निकलता है तभी आक्रामक खरीदारी की सलाह दी जा सकती है।

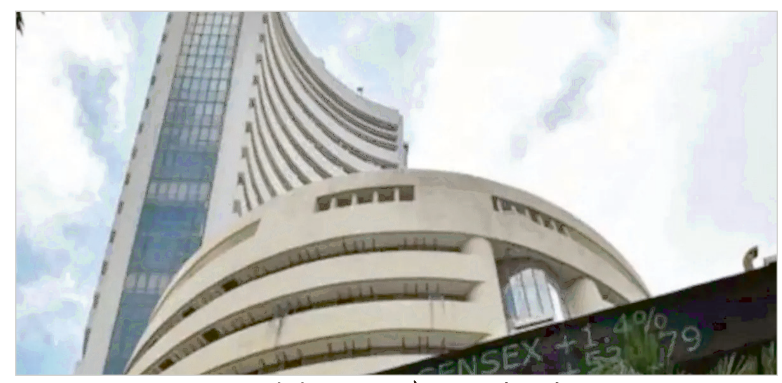

साल-2022 दुनिया के धनकुबेरों के लिए बना दिवास्प्न, खरबों डॉलर डूबे

-भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में हुआ इजाफा

नई दिल्ली ।

दुनिया के धनकुबेरों के लिए चालू वर्ष-2022 काफी नुकसान पहुंचाने वाला साबित हुआ है। शेयर बाजारों में आ रही गिरावट की वजह से दुनियाभर के धनकुबेरों की संपत्तियों में तेजी से गिरावट आई है।

ब्लूमबर्ग की ओर से जारी बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार, साल 2022 के शुरुआती 6 महीनों में दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की कुल संपत्ति घटकर 210 अरब डॉलर रह गई और इस दौरान उन्हें 59.9 अरब डॉलर का झटका लगा है। दूसरे नंबर पर काबिज जेफ बेजोस की कुल संपत्ति 133 अरब डॉलर रह गई और उन्हें 59.3 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। इस दौरान टॉप 10 में शामिल सिर्फ भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में ही इजाफा देखा गया है।

सबसे ज्यादा नुकसान फेसबुक के को-फाउंडर मार्क जुकरबर्ग को हुआ है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, साल 2022 में जुकरबर्ग की कुल संपत्ति 65.9 अरब डॉलर गिरकर 59.3 अरब डॉलर रह गई है। इतनी बड़ी गिरावट की वजह से जुकरबर्ग अब टॉप 10 की सूची से भी बाहर हो गए हैं। जुकरबर्ग अब अरबपतियों की लिस्े ट में 17वें पायदान पर पहुंच गए हैं। सूची में तीसरे पायदान पर काबिज फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट की संपत्ति 2022 में अब तक 50.4 अरब डॉलर घट चुकी है और अब यह 128 अरब डॉलर रह गई है। इसी तरह, चौथे नंबर के अरबपति बिल गेट्स की संपत्ति 22.9 अरब डॉलर गिरकर 115 अरब डॉलर रह गई है। लैरी पेज को 29.3 अरब डॉलर का नुकसान हुआ तो वॉरेन बफे को 12.5 अरब डॉलर का झटका झेलना पड़ा, सर्जे ब्रिन की संपत्ति भी 28.3 अरब डॉलर घट गई तो स्टीव बाल्मर को 13.7 अरब डॉलर का नुकसान हुआ।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, इसी दौरान टॉप 10 में शामिल रहे भारतीय अरबपति गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी की संपत्तियों में इजाफा हुआ है। अडाणी की संपत्ति 22.3 अरब डॉलर बढ़कर 98.8 अरब डॉलर पहुंच गई और वे सूची में 6वें स्थान पर काबिज हैं। मुकेश अंबानी की संपत्ति में 3 अरब डॉलर का इजाफा हुआ और उनकी कुल संपत्ति 93 अरब डॉलर के आसपास पहुंच गई।

ब्लूमबर्ग की 500 अरबपतियों की सूची में शामिल अन्य भारतीयों में अजीम प्रेमजी की संपत्ति इस दौरान 15।5 अरब डॉलर घटी, जबकि शिव नाडर को 851 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। राधाकिशन दमानी को भी 7.40 अरब डॉलर का झटका लगा जबकि लक्ष्मी मित्े तल को 4.59 अरब डॉलर का नुकसान हो गया।

क्रिसिल ने 2022-23 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाकर 7.3 प्रतिशत किया

मुंबई । घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया। क्रिसिल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के अनुमान को 7.8 प्रतिशत से घटाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि तेल की ऊंची कीमतों, निर्यात मांग में कमी और उच्च मुद्रास्फीति के कारण पूर्वानुमान को घटाया गया। जिंस कीमतों में तेजी, माल ढुलाई की लागत बढ़ने, वैश्विक वृद्धि अनुमान कम होने से अर्थव्यवस्था पर दबाव बना है। इसके अलावा मांग पक्ष को बढ़ाने वाला सबसे बड़ा कारक निजी निवेश भी कमजोर बना हुआ है। रेटिंग एजेंसी ने अपने वृद्धि अनुमानों को घटाते हुए कहा कि उम्मीद की किरण सिर्फ संपर्क-गहन सेवाओं में वृद्धि और अच्छे मानसून से है। एजेंसी ने कहा कि उच्च मुद्रास्फीति क्रय शक्ति को कम करती है और खपत को प्रभावित करती है। खपत जीडीपी का सबसे बड़ा घटक है, और पिछले कुछ समय से कमजोर है। एजेंसी ने यह भी कहा कि ऊंची जिंस कीमतों, धीमी वैश्विक वृद्धि और आपूर्ति श्रृंखला में बाधा से चालू खाता प्रभावित होगा।

केंद्र सरकार ने एडटेक कंपनियों को अनुचित व्यापार तरीकों के खिलाफ चेतावनी दी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने एडटेक कंपनियों को अनुचित व्यापार तरीकों के खिलाफ चेतावनी दी है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के सचिव रोहित कुमार सिंह ने हाल ही में इंटरनेट और मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) के तहत आने वाले इंडिया एडटेक कंसोर्टियम (आईईसी) के साथ बैठक में कहा कि यदि एडटेक कंपनियां अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश नहीं लगाती हैं तो पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। बैठक में आईएएमएआई के प्रतिनिधि, आईईसी की सदस्य कंपनियां, अपग्रेड, बायजूस, अनएकेडमी, वेदांतु, ग्रेट लर्निंग, व्हाइटहैट जूनियर और सनस्टोन शामिल रहीं। इस दौरान भारत के एड-टेक इकोसिस्टम में उपभोक्ता के हितों को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के तरीकों पर चर्चा की गई। सचिव ने कहा कि वेबसाइट्स पर फर्जी समीक्षाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। इसे नियंत्रित करने की जरूरत है। कुछ विज्ञापन दिशा-निर्देशों और मौजूदा नियमों के अनुरूप नहीं हैं। इसलिए, उपभोक्ताओं के हितों के अनुरूप मजबूत चैकप्वाइंट को बनाए रखने के लिए मिलकर काम करना अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि एएससीआई की अभी हाल की रिपोर्ट से पता चला है कि शिक्षा श्रेणी 2021-22 में विज्ञापन कोड का सबसे बड़ा उल्लंघनकर्ता है। आईईसी में भारतीय स्टार्ट-अप शामिल हैं और यह 95 फीसदी भारतीय लर्नर कम्युनिटी का प्रतिनिधित्व करता है। सचिव ने आईईसी को एडटेक इकोसिस्टम में सकारात्मक प्रयासों को जारी रखने और इस संबंध में एसओपी बनाने के लिए संबंधित हितधारकों के साथ एक संयुक्त कार्य समूह बनाने की सलाह दी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, टेलीविजन, रेडियो, या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, समाचार पत्रों, बैनर, पोस्टर, हैंडबिल, दीवार-लेखन आदि के माध्यम से कोई भी विज्ञापन या प्रचार माल, सेवाओं की प्रकृति, विशेषताओं या गुणों के बारे में उपभोक्ता को गुमराह करता है तो वह मोटे तौर पर एक भ्रामक विज्ञापन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। पिछले ही महीने सरकार ने भ्रामक विज्ञापनों पर लगाम लगाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए थे।

बिल गेट्स ने 48 साल पुराना अपना रेज्युम सोशल मीडिया पर शेयर किया

- गेट्स द्वारा साझा किए गए 1974 के रिज्यूम में उनका नाम विलियम एच गेट्स लिखा है

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर शख्स रहे माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स का 48 साल पुराना रेज्युमे है जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। बिल गेट्स की सफलता ने दुनियाभर में लोगों को प्रेरित किया और आज भी कर रही है। ऐसे प्रेरणादायक शख्स का रेज्युम तो चर्चा का विषय बनना ही था। उन्होंने इसे शेयर कर लिखा, यकीन है कि आज के रेज्युम उनके वाले के मुकाबले बेहतर होंगे। गेट्स द्वारा साझा किए गए 1974 के रिज्यूम में उनका नाम विलियम एच गेट्स लिखा है। इसके दी गई जानकारी के अनुसार गेट्स उस समय हार्वर्ड कॉलेज में फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट थे। बिल गेट्स ने अपने रिज्यूम में मेंशन किया है कि उन्होंने ऑपरेटिंग सिस्टम स्ट्रक्चर, डेटाबेस मैनेजमेंट, कंपाइलर कंस्ट्रक्शन और कंप्यूटर ग्राफिक्स जैसे कोर्स किए हैं।

उन्हें फारटेन, कोबोल, अलगोल जैसी सभी प्रमुख प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेस में अनुभव है। उन्होंने 1973 में टीआरडब्ल्यू सिस्टम्स ग्रुप के साथ सिस्टम प्रोग्रामर के रूप में अपने अनुभव का उल्लेख किया। बिल गेट्स ने 1972 में लेकसाइड स्कूल, सिएटल में कॉन्ट्रैक्ट पर को-लीडर और को-पार्टनर के तौर पर अपने कार्यकाल का भी जिक्र किया है।

उन्होंने इस रेज्युम में लिखा है कि उन्होंने ट्रैफिक इंजीनियर्स द्वारा ट्रैफिक फ्लो का आकलन करने के लिए एक सिस्टम डिजाइन किया व उसे तैयार किया है। एक प्रोटोटाइप का इस्तेमाल कर इस सेटअप को पूरी तरह टेस्ट भी किया गया है और वह मई 1974 में लोगों के सामने इसका प्रदर्शन करेंगे। रिज्यूम को देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने तेजी से अपनी प्रतिक्रिया दी। कई यूजर्स ने कहा कि बिल गेट्स का रिज्यूमे एकदम सही है। एक यूजर ने कहा, भले ये रिज्यूम 48 साल पुराना है, फिर भी बहुत अच्छा लग रहा है। एक अन्य यूजर ने कहा, बिल गेट्स को साझा करने के लिए धन्यवाद, एक पेज का शानदार रिज्यूमे। हम सभी को अपने पिछले रिज्यूमे की कॉपियां वापस जाकर देखनी चाहिए।

सेमीकंडक्टर की कमी दूर होने से बढ़ने लगी कार निर्माताओं की बिक्री

- सामान्य स्तर पर आ गया वाहन उत्पादन

नई दिल्ली ।

पिछले महीने कई स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल यानी एसयूवी भारतीय बाजार में लॉन्च की गई हैं। इससे पता चलता है कि अब दुनिया में सेमीकंडक्टर की कमी धीरे-धीरे ठीक हो रही है, जिसके वाहन उत्पादन लगभग सामान्य स्तर पर लौट आया है। इससे कार की बिक्री में काफी उछाल आया है। हालांकि, चिप की कमी की वजह से खरीदारों को कारों के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने जून 2022 में 155,857 इकाइयों की कुल बिक्री दर्ज की, जो जून 2021 में बेची गई 147,368 इकाइयों से 5.76 प्रतिशत अधिक है। महीने में कंपनी की कुल बिक्री में 125,710 इकाइयों की घरेलू बिक्री, अन्य ओईएम को बिक्री 6,314 इकाइयां और 23,833 इकाइयों का निर्यात शामिल है। इसकी कुल घरेलू बिक्री जून 2022 में वार्षिक आधार पर 1.29 प्रतिशत बढ़कर 132,024 इकाई हो गई, जो जून 2021 में 130,348 इकाई थी। एक महीने पहले टाटा मोटर्स से नंबर दो का स्थान खोने वाली हुंडई मोटर इंडिया ने 49,001 इकाइयों (21 प्रतिशत ऊपर) की घरेलू बिक्री और 13,350 इकाइयों के निर्यात के साथ अपनी स्थिति को फिर से हासिल कर लिया है । इस दौरान कुल बिक्री आंकड़ा 62,351 इकाई रहा है।

एचएमआईएल के निदेशक (बिक्री, विपणन और सेवा) तरुण गर्ग ने कहा कि सेमीकंडक्टर की स्थिति में नरमी के संकेत मिलने से बिक्री संख्या में फिर से सकारात्मक रुझान दिखने लगा है। टाटा की मोटर्स की बात करें तो जून में घरेलू यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री भी 87 प्रतिशत बढ़कर 45,197 इकाई पहुंच गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 24,110 इकाई रही थी। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में यात्री वाहनों की बिक्री बढ़कर 1,30,125 इकाई रही। एक साल पहले इसी अवधि में यह संख्या 64,386 इकाई रही थी। कंपनी ने बयान में कहा कि चीन में लॉकडाउन के कारण सप्लाई चेन मामूली रूप से प्रभावित होने के बावजूद यात्री वाहनों की मांग चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में मजबूत बनी रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा कि जून 2022 में उसकी कुल ऑटो बिक्री 54,096 वाहनों की रही। यूटिलिटी व्हीकल्स (यूवी) सेगमेंट में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने महीने में 26,620 वाहनों की बिक्री की, जो एक साल पहले की मासिक बिक्री से 60 प्रतिशत अधिक है।

यूरो करेंसी वाले 19 देशों में जून में महंगाई रिकार्ड 8.6 प्रतिशत पहुंची

- पाकिस्तान और श्रीलंका में आर्थिक संकट; अमेरिका और भारत भी बढ़ रही महंगाई

नई दिल्ली ।

यूरो करेंसी का इस्तेमाल करने वाले 19 देशों में जून में महंगाई रिकार्ड 8.6 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इन देशों को यूरोजोन भी कहा जाता है। यूरोपियन यूनियन सांख्यिकीय एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ऊर्जा लागत बढ़ने और खाद्य कीमतों में तेजी के कारण महंगाई दर में वृद्धि हुई है। इससे पहले मई में इन देशों में महंगाई दर रिकार्ड 8.1 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। आंकड़ों के मुताबिक मई के मुकाबले जून में यूरोजोन में ऊर्जा की कीमतों में 41.9 प्रतिशत, खाद्य, अल्कोहल और तंबाकू की कीमतों में 8.9 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी रही है। कपड़ों, कार, कंप्यूटर और किताबों की कीमतों में मई के मुकाबले जून में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि रही। यूरोजोन में पिछले साल से महंगाई में मासिक आधार पर लगातार वृद्धि हो रही है। युद्ध के कारण इस क्षेत्र में निवास करने वाले 34.3 करोड़ लोगों का जीवनयापन खर्च बढ़ गया है। उपभोक्ता कीमतों पर काबू पाने के लिए यूरोपियन केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में बढ़ोतरी की योजना बना रहा है। महंगाई की तगड़ी मार झेल रहा अमेरिका वर्तमान समय में पूरी दुनिया महंगाई की मार झेल रही है।

अमेरिका जैसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भी उच्च महंगाई की चपेट में हैं। अमेरिका में महंगाई दर 40 साल के उच्च स्तर 8.6 प्रतिशत पर पहुंच गई है। भारत में भी महंगाई आसमान छू रही है। अप्रैल में देश की खुदरा मंहगाई दर 7.79 फीसद की दर पर पहुंच गई थी, जो पिछले 8 सालों का इसका सबसे उच्चतम स्तर था। हालांकि, यह अभी आरबीआइ के अनुमानित रेंज (2 से 6 फीसद) से ऊपर बनी हुई है। पाकिस्तान में आर्थिक संकट के बीच महंगाई दर 13 साल के सबसे उच्च स्तर 21.32 प्रतिशत पर पहुंच गई है। वहीं, पाकिस्तान सरकार ने छह अरब डालर के बेलआउट पैकेज के लिए आइएमएफ की शर्तों को मानते हुए पेट्रोलियम पदार्थों के दाम भी एक बार फिर बढ़ा दिए हैं। वहीं, श्रीलंका की भी हालत बेहद खराब है। श्रीलंका और पाकिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रवींद्र जडेजा ने टेस्ट का तीसरा और साल का दूसरा सैकड़ा जड़ा

भारतीय टीम पहली पारी में 416 रन पर सिमटी, रविंद्र जडेजा और पंत ने खेली शतकीय पारी

बर्मिंघम।(एजेंसी)।

भारतीय टीम शनिवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में 416 रन पर सिमट गयी। भारतीय टीम ने सात विकेट पर 338 रन से आगे खेलना शुरू किया और टीम ने दिन के शुरूआती सत्र में तीन विकेट गंवाकर बचे हुए तीनों विकेट गंवा दिये। रविंद्र जडेजा ने 194 गेंद में 104 रन बनाकर अपना शतक पूरा किया।

बीती रात क्रीज पर डटे जडेजा और मोहम्मद शमी (16) ने 40 गेंद में 33 रन जोड़े जिसके बाद कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 16 गेंद में नाबाद 31 रन की पारी खेलकर भारत को 400 रन के पार पहुंचाया। बुमराह ने स्टुअर्ट ब्राड के ओवर में दो छक्के और चार चौकों से 35 रन जोड़कर टेस्ट क्रिकेट में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड बना दिया।

इंग्लैंड के लिये जेम्स एंडरसन सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 60 रन देकर पांच विकेट झटके जिसमें जडेजा का विकेट भी शामिल था। ब्राड ने शमी के रूप में एकमात्र विकेट प्राप्त किया जबकि मैटी पोट्स, बेन स्टोक्स और जो रूट ने भी विकेट चटकाये।

सेरेना को हराने वाली फ्रांसिसी खिलाड़ी हार्मनी टैन विंबलडन के चौथे दौर में

विंबलडन (एजेंसी)।

आल इंग्लैंड क्लब पर सात बार की चैम्पियन सेरेना विलियम्स को हराने वाली हार्मनी टैन ने विंबलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम के चौथे दौर में प्रवेश किया। टैन ने 23 बार की ग्रैंडस्लैम एकल चैम्पियन सेरेना को तीन सेट में पराजित किया था। फिर उन्होंने 32वीं वरीय सारा सोरीबेस टोर्मो को हराने के बाद शनिवार को यहां ब्रिटिश खिलाड़ी कैटी बोल्टर को 6-1, 6-1 से मात दी।

फ्रांस की गैर वरीय खिलाड़ी आल इंग्लैंड क्लब में पदार्पण कर रही है जबकि वह चार बार फ्रेंच ओपन में और इस साल आस्ट्रेलियाई ओपन में खेल चुकी हैं। अब अगले दौर में टैन का सामना कोको गॉफ और अमांडा एनिसिमोवा के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

जसप्रीत बुमराह ने कप्तान बनते ही मचाया कोहराम,

-ब्रॉड के एक ओवर में कूटे 35 रन

बर्मिंघम (एजेंसी)।

जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड की धरती पर बल्ले से कोहराम मचा दिया है। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टेस्ट में 416 रन बनाकर आउट हुई। ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने शतक लगाया। इसके बाद में कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 16 गेंद पर नाबाद 31 रन बनाकर स्कोर को 400 रन के पार पहुंचाया। उन्होंने तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में 35 रन ठोक दिए। यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का सबसे महंगा ओवर है। बुमराह ने 4 चौका और 2 छक्का लगाया। इससे पहले ब्रायन लारा ने 2002 में साउथ अफ्रीका के आर पीटरसन के खिलाफ एक ओवर में 28 रन बटोरे थे। वहीं 2013 में जॉर्ज बेली ने भी जेम्स एंडरसन के ओवर मे 28 रन बनाए थे। वहीं 2020 में केशव महाराज ने जो रूट के ओवर में 28 रन बटोरे थे।

टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार एक ओवर में 30 या उससे अधिक रन बने है। बुमराह ने 84वें ओवर की पहली गेंद पर हुक करके 4 रन बनाए, दूसरी गेंद वाइड रही और इस पर 4 रन भी गए। दूसरी गेंद पर बुमराह ने फिर हुक करके छक्का मार दिया। यह गेंद नोबॉल थी। अगली 3 गेंद पर बुमराह ने ब्रॉड पर लगातार 3 चौके जड़े। 5वीं गेंद पर बैकवर्ड स्क्वॉयर लेग पर छक्का जड़ा। अंतिम गेंद पर एक रन लिया। इस तरह से ओवर में कुल 35 रन बने। ब्रॉड ने ओवर में कुल 8 गेंद डाली। बुमराह पहली बार टीम की कप्तानी कर रहे हैं। जसप्रीत बुमराह 31 रन बनाकर नाबाद रहे। यह उनका टेस्ट करियर दूसरा बड़ा स्कोर है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शीर्ष पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई टीम श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में नंबर-1 पर बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक 9 मुकाबले खेले हैं। 6 में उसे जीत मिली है, जबकि 3 मुकाबले ड्रॉ रहे। टीम 77.78 फीसदी अंक के साथ शीर्ष पर बनी हुई है। इस प्रकार टीम के लगभग 80 फीसदी अंक हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम टेबल में दूसरे नंबर पर है। उसने अब तक 7 मुकाबले खेले हैं। 5 में उसे जीत मिली है जबकि 2 में हार। उसके 71.43 फीसदी अंक हैं। अन्य 7 में से कोई भी टीम अब तक 60 फीसदी अंक तक नहीं पहुंच सकी है। टॉप-2 टीमों के बीच फाइनल खेला जाएगा।

वहीं भारतीय टीम अभी तीसरे नंबर पर है। उसने अब तक 11 मुकाबले खेले हैं। 6 में जीत हासिल की, जबकि 3 में उसे हार मिली है जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। उसके 58.33 फीसदी अंक हैं. टीम यदि इंग्लैंड के खिलाफ

एजबेस्टन में शुरू हुए मैच में जीत हासिल कर लेती है, तो उसके 60 फीसदी अंक हो जाएंगे। वहीं पाकिस्तान की टीम टेबल में चौथे नंबर पर है। उसने अब तक 7 मुकाबले खेले हैं। 3 में उसे जीत मिली है। 2 में हार मिली जबकि 2 मैच ड्रॉ रहे। उसके 52.38 फीसदी अंक हैं।

वेस्टइंडीज की टीम 50 फीसदी अंक के साथ पांचवें नंबर पर है। उसने अब तक 9 मुकाबले खेले हैं। 4 में उसे जीत मिली है, जबकि 3 में हार। वहीं श्रीलंका की टीम छठे नंबर पर काबिज है। उसने अब तक खेले 7 में से 3 मैच जीते हैं। 3 में उसे हार मिली, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। उसके 47.62 अंक हैं. इंग्लैंड की टीम 28.89 फीसदी अंक के साथ 7वें नंबर पर है।

कोहली के आउट होने में पाकिस्तानी गेंदबाज शाहीन आफरीदी का लिंक

मुंबई । भारत और इंग्लैंड के बीच एजबेस्टन में पिछले साल की सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट खेला जा रहा है। मैच में भी भारतीय फैंस का विराट कोहली को शतक लगाने का देखने का सपना सच नहीं हुआ। कोहली को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स ने पहले दिन भारतीय पारी के 25वें ओवर में आउट कर दिया। उस समय विराट 11 रन पर खेल रहे थे। लेकिन, फिर कोहली ने पुरानी गलती दोहराकर ऑफ स्टम्प की गेंद से छेड़छाड़ करने के चक्कर में अपना विकेट गंवा दिया। कोहली नवंबर, 2019 के बाद से ही इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक नहीं लगा सके हैं। कोहली इंग्लिश पेसर मैथ्यू पॉट्स की जिस गेंद पर आउट हुए, वहां ऑफ स्टम्प के बाहर की तरफ थी। कोहली भी ऑफ स्टम्प के काफी बाहर आकर खेल रहे थे। इसके बाद वो गेंद की लाइन और लेंथ को समझ नहीं पाए और गेंद को जब तक छोड़ने का फैसला करते, तब तक बॉल उनके बल्ले से टकराकर स्टम्प्स बिखेर चुकी थी! दरअसल, पॉट्स की यह गेंद आउटस्विंगर थी, जो थोड़ा लेट स्विंग हुई! उसी वजह से कोहली बल्ले को हटाने में देरी कर गए और आउट हुए। यह पहला मौका नहीं है, जब कोहली इस तरह से आउट हुए हैं। वहां बीते कुछ महीनों से ऑफ स्टम्प के बाहर की गेंदों को खेलने की चक्कर में आउट हो रहे हैं। कोहली के इस तरह से आउट होने के बाद से पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के साथ पॉट्स की ट्रेनिंग की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। यह तस्वीर उस समय की है, जब पॉट्स पाकिस्तान सुपर लीग 2022 में लाहौर कलंदर्स की तरफ से खेले थे। इसके बाद से ही फैंस कोहली के विकेट को शाहीन अफरीदी से जोड़कर देख रहे हैं, क्योंकि इस तस्वीर में अफरीदी इंग्लिश पेसर पॉट्स को गेंदबाजी के गुर सिखाते नजर आ रहे हैं।

बांग्लादेश की टीम फेरी से समंदर के रास्ते डोमिनिका पहुंची, खिलाड़ियों ने कहा हम मार जाते

डोमिनिका । बांग्लादेश की क्रिकेट टीम इनदिनों वेस्टइंडीज दौरे पर है। मेजबान देश से टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद अब टक्कर टी20 में होनी है। पहला टी20 2 जुलाई को डोमिनिका में खेला जाना है। लेकिन, मुकाबले से पहले ही बांग्लादेश के खिलाड़ियों का बुरा हाल हो गया। दरअसल, पहले टी20 के लिए बांग्लादेश की टीम समंदर के रास्ते सेंट लूसिया से डोमिनिका पहुंची। यह पांच घंटे का सफर बांग्लादेशी खिलाड़ियों के लिए कभी न भूलने वाले अनुभव जैसा रहा, क्योंकि इससे पहले किसी भी बांग्लादेशी खिलाड़ी ने छोटी सी फेरी में इतनी लंबी यात्रा नहीं की थी। इसके बाद जब तक खिलाड़ी डोमिनिका पहुंचे, तब उसमें से ज्यादातर की तबीयत बिगड़ गई। रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही फेरी समंदर के बीच में पहुंचीं। उसका ऊंची-ऊंची लहरों से सामना शुरू हो गया। बांग्लादेशी टीम जिस फेरी में सवार थी, वहां बहुत बड़ी नहीं थी। इसके बाद 6-7 फीट ऊंची लहरों में फैरी बीच समंदर में हिचकोने मारने लगी। नतीजतन, खिलाड़ियों को उल्टी आनी शुरू हो गई। तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम और विकेटकीपर बल्लेबाज नफीस इकबाल सबसे ज्यादा परेशान दिखाई दिए। दोनों ने यात्रा के दौरान कई बार उल्टी की। बांग्लादेश की टीम को छोड़ दें तब वेस्टइंडीज की टीम ने भी किसी इंटरनेशनल मैच के लिए एक द्वीप से दूसरे की यात्रा फेरी पर नहीं की थी। एक बांग्लादेशी खिलाड़ी ने कहा कि एक वक्त तो ऐसा लग रहा था कि हम मर ही जाएंगे। एक अन्य क्रिकेटर ने कहा कि मेरे लिए तब करियर का सबसे खराब दौरा था।

क्रुणाल ने रॉयल लंदन कप के आगामी सीजन के लिए वॉरविकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ किया करार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टीम इंडिया के हरफनमौला खिलाड़ी क्रुणाल पंड्या भी अब काउंटी क्रिकेट में अपना कौशल दिखाएंगे। क्रुणाल ने रॉयल लंदन कप के आगामी सीजन के लिए वॉरविकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ करार किया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रतिनिधित्व कर चुके क्रुणाल ने इसे लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि वह एजबेस्टन में खेलने के लिए उत्साहित हैं। आगामी 2 से 23 अगस्त तक होने वाली रॉयल लंदन कप प्रतियोगिता के 2022 सीजन में वॉरविकशायर ग्रुप-स्टेज के 8 मैच खेलेगा।

31 साल के क्रुणाल पंड्या ने अभी तक भारत के लिए 19 टी20 और 5 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने ने 5 वनडे में 1 अर्धशतक की

बदौलत 130 रन जबकि 19 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 124 रन बनाने के अलावा 15 विकेट लिए हैं। वनडे में भी उनके नाम 2 विकेट हैं। उन्होंने लिस्ट-ए क्रिकेट में 76 मैचों में 37 की औसत से 89 विकेट लिए हैं और साथ ही 2,231 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले वनडे में उन्होंने सबसे तेज अर्धशतक (26 गेंद) लगाया था।

क्रुणाल ने इस बारे में कहा, 'मैं काउंटी क्रिकेट खेलने और वॉरविकशायर जैसे ऐतिहासिक क्लब में शामिल होने का मौका पाकर बेहद उत्साहित हूं। एजबेस्टन का क्रिकेट में एक विशेष स्थान है और मैं वहां खेलने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। मुझे उम्मीद है कि मैं क्लब के साथ 50 ओवर के सफल अभियान में अपनी भूमिका निभा सकता हूं और मैं अपनी नई टीम के साथियों से मिलने के लिए उत्सुक हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं इस मौके के लिए वॉरविकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब और बीसीसीआई, दोनों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं।' वॉरविकशायर के क्रिकेट निदेशक पॉल फारब्रेस ने कहा, 'क्रुणाल क्लब के लिए एक खास खिलाड़ी हैं। मुझे एजबेस्टन में उनका स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। क्रुणाल एक ऐसी टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभव का खजाना लाएंगे जो अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगी।'

2008 के बाद पहली बार ओलिम्पिक में पहुंची अमरीकी फुटबॉल टीम

सान पेड्रो सूला। अमरीकी पुरुष फुटबॉल टीम ने कोनकाकाफ पुरुष अंडर-20 चैम्पियनशिप (सीएमयू20) के सेमीफाइनल में होंडुरास को हराकर 2008 के बाद पहली बार ओलिम्पिक के लिए क्वालीफाई किया। अमरीका ने सान पेड्रो सूला के एस्टेडियो मोराजान में शुक्रवार रात हुए मुकाबले में होंडुरास को 3-0 से मात दी। उन्होंने अपने तीनों गोल मैच के शुरुआती 45 मिनट में ही करके न सिर्फ

पैरिस 2024 में अपनी जगह पक्की की, बल्कि सीएमयू20 के फाइनल में भी जगह बनाई। फाइनल में अमेरिका का मुकाबला डोमिनिकन गणराज्य से होगा जो सेमीफाइनल में गुआटेमाला को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर आ रही है। डोमिनिकन गणराज्य ने भी पैरिस ओलंपिक 2024 में अपनी जगह पक्की कर ली है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मिताली राज के लिखा प्रशंसा पत्र, क्रिकेटर ने किया शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने शनिवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खेल में उनके योगदान को लेकर की गयी प्रशंसा से अभिभूत हैं। पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद प्रधानमंत्री ने उन्हें शुभकामनायें दी थीं और कहा था कि वह कई खिलाड़ियों के लिये प्रेरणास्रोत रही हैं।

मिताली ने ट्वीट किया- यह सम्मान और गर्व की बात है कि जब किसी को हमारे प्रधानमंत्री से इतना प्रोत्साहन मिलता है जो मेरे अलावा लाखों के लिये आदर्श और प्रेरणास्रोत हैं। क्रिकेट में मेरे योगदान के लिये उनके द्वारा कहे गये प्रोत्साहन भरे शब्दों से मैं अभिभूत हूं। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा- मैं इसे हमेशा इसे संजो कर रखूंगी। अपनी अगली पारी के लिये मैं काफी प्रोत्साहित महसूस कर रही हूं और भारतीय खेलों के विकास के योगदान में हमारे माननीय प्रधानमंत्री की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिये कड़ी मेहनत करूंगी। मिताली ने 232 मैचों में 50 से ज्यादा के औसत से 7805 वनडे रन जोड़े हैं। उन्होंने 89 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 2364 रन और 12 टेस्ट में एक शतक और चार अर्धशतकों से 699 रन बनाये हैं। मिताली ने अपने करियर का अंत वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन जुटाने वाली खिलाड़ी के तौर पर किया। वह दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स से 1813 रन आगे थीं।

फीडे कैंडीडेट्स शतरंज – रूस के नेपोमिन्सी का खिताब जीतना तय

मेड्रिड ,स्पेन । फीडे कैंडीडेट 2022 के बारहवें राउंड के बाद 8.5 बनाते हुए टूर्नामेंट में एकल बढ़त पर चल रहे यान नेपोमिन्सी लगातार अपने दूसरे कैंडिडैट टूर्नामेंट को जीतने से सिर्फ आधा अंक दूर हैं। उन्हें अंतिम दो राउंड में हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से और पोलैंड के यान डूडा से खेलना है जिन पर उन्होंने टूर्नामेंट के पहले भाग में जीत दर्ज की है । खिताब हासिल करने के लिए नेपो को उन दो मैचों में से सिर्फ एक ड्रॉ की जरूरत है और ताजा लय को देखते हुए यह बिलकुल भी मुश्किल नजर नहीं आ रहा है । नेपोमिन्सी नें इस राउंड में यूएसए के हिकारु नाकामुरा से बर्लिन ओपनिंग में एक आसान ड्रॉ खेला । हालांकि नेपोमिन्सी का रास्ता आसान किया अजरबैजान के तैमूर राद्जाबोव ने जिन्होने लगातार तीन जीत के साथ दूसरे स्थान पर पहुंचे चीन के डिंग लिरेन को 26 चालों में काले मोहरो से मात देते हुए चौंका दिया। बाकी अन्य दो मुकाबलो में हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट नें यूएसए के फबियानों कारुआना से तो फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा नें पोलैंड के यान डूड़ा से ड्रॉ खेला । राउंड 12 के बाद नेपोमिन्सी 8.5 अंक , नाकामुरा और डिंग 6.5 अंक ,रद्जाबोव और कारुआना 6 अंक बनाकर खेल रहे है ।

महिला हॉकी विश्व कप: भारत का पहला मुकाबला इंग्लैंड से, बदला चुकाने का है मौका

एसटेलवीन (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम विश्व कप के पूल बी के अपने पहले मुकाबले में रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ उतरेगी। टोक्यो ओलिम्पिक में कांस्य पदक के मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 4-3 से हरा दिया था। फिलहाल भारतीय टीम के हौसले बुलंद है क्योंकि उन्होंने एफआईएच प्रो लीग में पहली बार तीसरा स्थान हासिल किया था। विश्व कप में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में पहले ही सत्र में रहा जब टीम चौथे स्थान पर रही थी।

हालांकि टोक्यो में चौथे स्थान पर रहने के बाद से भारतीय महिला टीम के प्रदर्शन का ग्राफ ऊंचा ही जा रहा है। मई में भारतीय टीम एफआईएच रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंची जो उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसके अलावा प्रो लीग में बड़ी टीमों को कड़ी चुनौती दी। भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग में बेल्जियम, आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से आगे रही। अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया ने कमान बखूबी संभाली है। चोट के कारण रानी रामपाल टोक्यो ओलिम्पिक के बाद से टीम से बाहर है।

डिफेंस में उपकप्तान दीप ग्रेस इक्का, गुरजीत कौर, उदिता और निक्की प्रधान होंगे जबकि मिडफील्ड की जिम्मेदारी सुशीला चानू, नेहा गोयल, नवजोत कौर, सोनिका, ज्योति, निशा, मोनिका पर होगी। सलीमा टेटे भी बेहतरीन फॉर्म में हैं और प्लेमेकर की भूमिका निभाएंगी। आक्रमण का जिम्मा वंदना कटारिया, लालरेम्सियामी, नवनीत कौर और शर्मिला देवी पर होगा।

भारत की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन खिलाडियों की क्षमता से बखूबी वाकिफ हैं। उन्होंने कहा कि महिला हॉकी में इस समय कोई भी टीम किसी भी टीम को हरा सकती है। लेकिन सबसे जरूरी है प्रदर्शन में निरंतरता। इंग्लैंड की टीम ने 2010 में रोसारियो में हुए विश्व कप में कांस्य पदक जीता था और सिडनी में 1990 में चौथे स्थान पर रही थी। विश्व रैंकिंग में वह अभी चौथे स्थान पर है। भारत को 5 जुलाई को चीन से और 7 जुलाई को न्यूजीलैंड से खेलना है।

जॉन डीरे क्लासिक: अनिर्बान लाहिड़ी संयुक्त 24वें स्थान पर पहुंचे

सिल्विस – भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने जॉन डीरे क्लासिक टूर्नामेंट के दूसरे दौर में चार अंडर 67 का शानदार कार्ड खेला जिससे वह लीडरबोर्ड पर ऊपर की ओर बढने में सफल रहे। वह शीर्ष पर चल रहे जेटी पोस्टन से नौ शॉट पीछे चल रहे हैं और संयुक्त रूप से 24वें स्थान पर हैं। वह पहले दिन के हिसाब से आठ स्थान बेहतर हैं।

शुभंकर निराशाजनक कार्ड से आयरिश ओपन में कट से चूके: किलकेनी (आयरलैंड)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने होरिजॉन आयरिश ओपन के दूसरे दौर में बर्डी-बर्डी से शुरूआत की लेकिन कई बोगी करने से कट हासिल करने से चूक गए। दसवें होल में बर्डी से शुरूआत करने के बाद वह 13वें और 18वें होल में डबल बोगी कर बैठे जिसके बाद 14वें और 18वें होल में बोगी ने उनकी उम्मीद तोड़ दी। इस कारण उनका स्कोर 3 ओवर रहा जिससे वह संयुक्त 89वें स्थान से कट से चूक गये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लकीर के फकीर न बने

एक बार एक राजा ने अपने मंत्री और दरबारियों की बुद्धि की परीक्षा लेने का निर्णय लिया। उसने सभी को एक जगह बुलाया और प्रत्येक को अशर्फियों से भरी एक थैली भेंट की। फिर उसने कहा आप सब इन अशर्फियों को मेरा मुंह देखकर ही खर्च करें। बिना मेरा मुंह देखे इन्हें खर्च नहीं किया जा सकता। एक सप्ताह बाद सबको बताना होगा कि आप लोगों ने इन अशर्फियों से क्या खरीदारी की है। एक सप्ताह बीतने के बाद राजा ने अपने सभी कर्मचारियों को बुलाकर पूछा कि उन लोगों ने अशर्फियों से क्या-क्या खरीदा।

सभी दरबारी एक दूसरे की मुंह देखने लगे। वे अपने को ठगा सा महसूस कर रहे थे। उन्हें लग रहा था कि राजा ने उनके साथ मजाक किया है। सभी को चुप देखकर राज पुरोहित बोले महाराज, आपकी आज्ञा थी कि अशर्फियों को आपका चेहरा देखने के बाद ही खर्च किया जाए। अब बाजार में तो आपके दर्शन हो नहीं सकते थे, इसलिए हमने अशर्फियों को खर्च ही नहीं किया। अन्य दरबारियों ने भी राज पुरोहित की हां में हां मिलाई। उन सबने यही कहा कि वे अशर्फी खर्च नहीं कर पाए। लेकिन उन सबके बीच एक ओर खड़ा राजा का मंत्री मंद-मंद मुस्करा रहा था।

राजा ने जब उससे अशर्फियों के बारे में पूछा तो उसने कहा कि उसने खरीदारी कर ली है। सब लोग मंत्री को आश्चर्य से देखने लगे। मंत्री ने कहा महाराज आपने ही कहा था न कि आपको देखकर ही खरीदारी करूं इन अशर्फियों पर आपका चित्र अंकित है इसलिए आपकी शर्त के मुताबिक मैंने इन पर आपका चेहरा देखकर आपको प्रणाम करके सारी खरीदारी कर ली है। राजा ने मंत्री की पीठ ठोंकी और सबसे कहा आप लकीर का फकीर न बनें। कोई भी काम करने में अपनी विवेकबुद्धि का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। इससे आपको सफलता मिलेगी।

किस्सा मुल्ला नसीरुद्दीन का

बच्चों मुल्ला नसीरुद्दीन को उनकी बुद्धिमानी एवं हाजिर जवाबी के लिए जाना जाता है। एक बार मुल्ला नसीरुद्दीन ने एक आदमी से कुछ उधार लिया लेकिन समय पर मुल्ला नसीरुद्दीन ने उसका उधार नहीं चुकाया तो आदमी ने इसकी शिकायत बादशाह को कर दी। तब मुल्ला नसीरुद्दीन को दरबार में बुलाया गया।

मुल्ला के दरबार में पहुंचने के बाद उस आदमी ने बताया कि मुल्ला ने मुझसे बहुत समय पहले 500 दीनार बतौर कर्ज लिया था। लेकिन उसने अभी तक मुझे मेरी दीनार वापस नही की है। मेरी दरख्वास्त है कि मुझे मेरा उधार वापस करा दिया जाए। मुल्ला ने उस आदमी की पूरी बात सुनी और फिर बोला कि हुजूर मैं मानता हूं कि मैने इससे 500 दीनार बतौर उधार लिया था और मैं उसे चुकाने का भी मन बना चुका हूं इसके लिए यदि जरूरत पड़ी तो मैं अपनी गाय और घोड़ा भी बेच दूंगा। इतना सुनते ही वो आदमी बोला हुजूर ये झूठ बोल रहा है इसके पास न तो गाय है और न ही घोड़ा इसके पास तो एक फूटी कोड़ी भी नहीं है यहां तक के इसके पास तो खाने को भी नही है कुछ। बस इतना सुनते ही मुल्ला बोला देखिए हुजूर जब ये सब जानता है कि मेरे पास खाने तक को कुछ नहीं है तो मैं इसका उधार कैसे चुका पाऊंगा।

यह सुनने के बाद बादशाह ने मामले को रफा दफा कर दिया और एक बार फिर मुल्ला नसीरुद्दीन अपनी हाजिर जवाबी से बच निकला।

जान से प्यारा

अपनी जान से प्यारा कुछ नहीं हमेशा की तरह उस दिन भी अकबर व बीरबल बातचीत करने में मशगूल थे। अचानक बादशाह ने पूछा, ''बीरबल! किसी भी इन्सान को सबसे प्यारा क्या होता है ?''

बीरबल ने तुरन्त उत्तर दिया, ''हुजूर ! हर प्राणी को अपनी जान से प्यारा और कुछ नहीं होता।''

''क्या तुम इसे सिद्ध कर सकते हो ?'' बादशाह ने पूछा।

''हाँ, क्यों नहीं।'' बीरबल का जवाब था।

कुछ दिन बाद बीरबल एक बन्दर का बच्चा लेकर आया, बच्चे की माँ भी साथ थी।

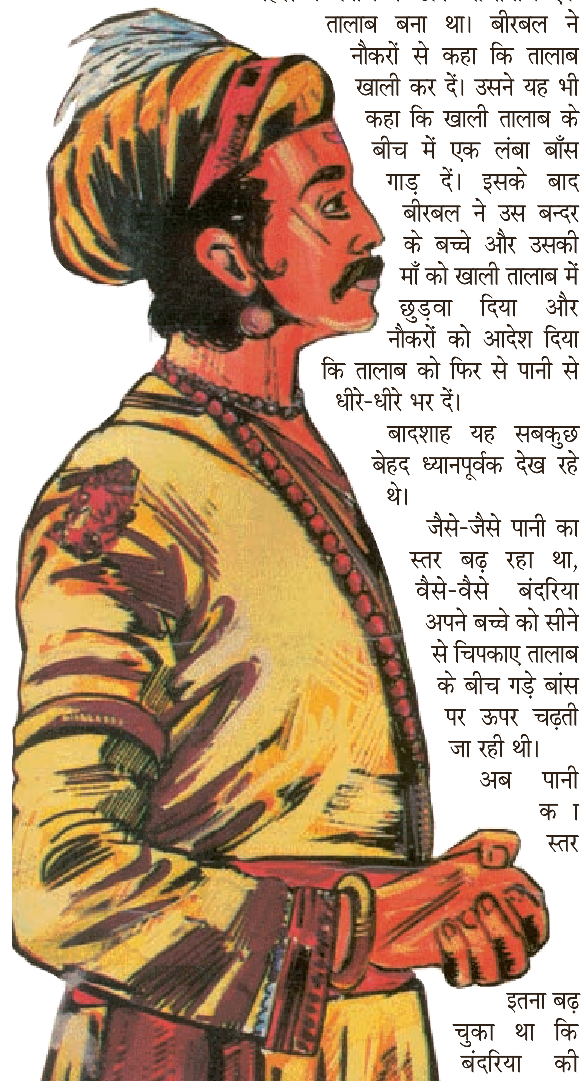

महल में बगीचे के ठीक बीचोबीच एक तालाब बना था। बीरबल ने नौकरों से कहा कि तालाब खाली कर दें। उसने यह भी कहा कि खाली तालाब के बीच में एक लंबा बाँस गाड़ दें। इसके बाद बीरबल ने उस बन्दर के बच्चे और उसकी माँ को खाली तालाब में छुड़वा दिया और नौकरों को आदेश दिया कि तालाब को फिर से पानी से धीरे-धीरे भर दें।

बादशाह यह सबकुछ बेहद ध्यानपूर्वक देख रहे थे।

जैसे-जैसे पानी का स्तर बढ़ रहा था, वैसे-वैसे बंदरिया अपने बच्चे को सीने से चिपकाए तालाब के बीच गड़े बांस पर ऊपर चढ़ती जा रही थी।

अब पानी का स्तर इतना बढ़ चुका था कि बंदरिया की कमर तक आ पहुंचा था। बंदरिया ने अपने बच्चे को अपने हाथों में पकड़ और बांस के सबसे ऊपरी सिरे पर जा बैठी।

यह देखकर बादशाह बोले, ''देखा बीरबल ! बंदरिया अपने बच्चे की जान बचाने के लिए कितनी मेहनत कर रही है। इसका मतलब तो यह हुआ कि बच्चे की जान इसे अपनी जान से कहीं ज्यादा प्यारी है।''

इस बीच पानी का स्तर बढ़कर बंदरिया की गर्दन तक आ पहुँचा था। यहां तक कि उसके नाक-कान में भी पानी भरने लगा था। लगता था कि कुछ ही देर में वह पानी में डूब जाएगी।

कुछ देर बंदरिया ने इधर-उधर ताका और उसके बाद बच्चे पर पैर रखकर खड़ी हो गई। अब वह अपने बच्चे के ऊपर खड़ी पानी से बाहर आने की चेष्टा कर रही थी।

''अब देखिए जहांपनाह।'' बीरबल बोला, ''यह बंदरिया अपनी जान बचाने के लिए अपने बच्चे तक की परवाह नहीं कर रही। बच्चे को अपने पैरों तले डालकर अपनी जान बचाने की कोशिश में है। क्या यह सब सिद्ध नहीं करता कि अपनी जान सबसे यादा प्यारी होती है।''

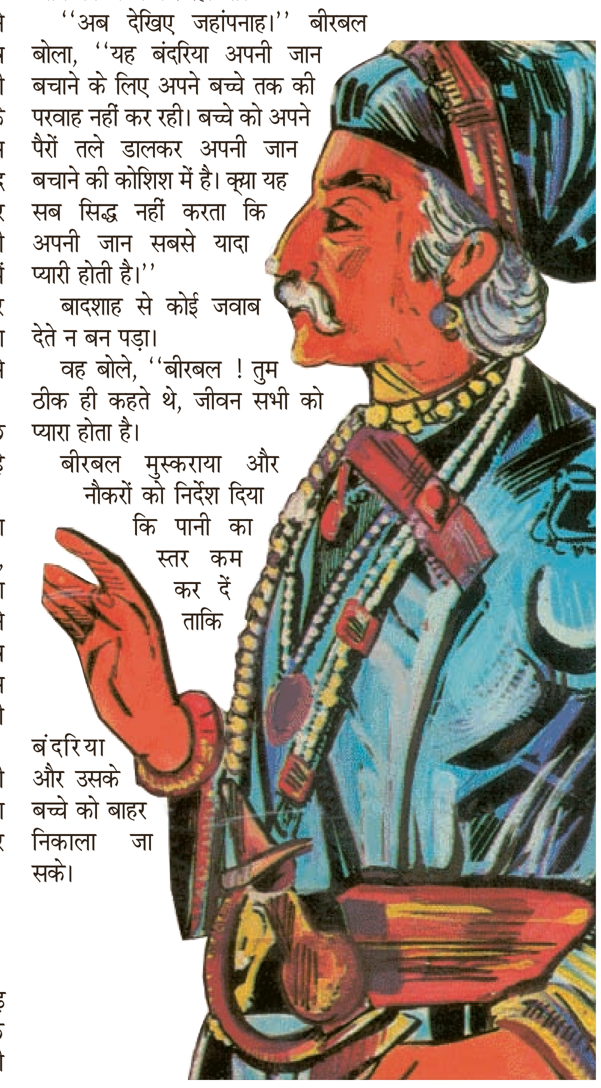

बादशाह से कोई जवाब देते न बन पड़ा।

वह बोले, ''बीरबल ! तुम ठीक ही कहते थे, जीवन सभी को प्यारा होता है।

बीरबल मुस्कराया और नौकरों को निर्देश दिया कि पानी का स्तर कम कर दें ताकि बंदरिया और उसके बच्चे को बाहर निकाला जा सके।

रेल टिकट

राम और श्याम दो मित्र थे। किसी समय दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे। मगर दोनों की आर्थिक स्थिति में जमीन-आसमान का फर्क था। राम के पिता एक बड़े व्यापारी थे और उनकी बदौलत राम बिना कुछ किए ही मालामाल हो गया।

कहावत है कि पैसा ही पैसे को खींचता है। राम ने भी जब पिता का व्यवसाय सँभाला तो उसकी संपत्ति दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ने लगी। वहीं दूसरी ओर श्याम के पिता अत्यंत गरीब थे। स्कूल से मिले वजीफे के सहारे श्याम ने जैसे-तैसे स्कूल की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के लिए श्याम को आकाश-पाताल एक करना पड़ा। मदद माँगने पर सभी रिश्ते नातेदारों ने उसे अँगूठा दिखा दिया अंत में उसने ट्यूशन लेने तथा अखबार बाँटने जैसा पार्टटाइम काम किया एवं इस तरह लोहे के चने चबाते हुए कॉलेज की फीस की व्यवस्था की एवं पूरे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी धाक जमा दी।

राम भी पास होकर स्नातक हो गया और उसके घर में घी के दिये जलाए गए। मगर श्याम के घर ऊँट के मुँह में जीरे के बराबर तेल भी नहीं था। अतः उसने तेते पाँव पसारिये, जेती लांबी सौर वाली लोकोक्ति पर अमल करते हुए फिल्मी गीत पर डांस ही कर लिया। स्नातक होने के बाद श्याम ने नौकरी पाने के लिए दस जगह की खाक छानी। मगर कहीं भी उसकी दाल नहीं गली। अंततः उसने बैंक से लोन लेकर एक पावरलूम मशीन डाल ली।

शुरू में इतनी कठिनाइयाँ आई मानो सिर मुँडाते ही ओले पड़ गए हों। मगर धीरे-धीरे उसका काम चल निकला जो लोग गरीबी के कारण उसकी नाक में दम किए रहते थे, उसे नीचा दिखाते रहते थे। उन्होंने भी उसकी काबिलियत का लोहा मान लिया।

राम का एक बेटा अमित था जो उसकी आँखों का तारा था। श्याम का भी एक बेटा सुमित था जो कि उसके कलेजे का टुकड़ा था। संयोग से दोनों मित्रों के ये पुत्र एक ही स्कूल में पढ़ते थे। उनकी मित्रता देखकर लोग दंग रह जाते थे कि कहाँ राजा भोज और कहाँ गंगू तेली। मगर मित्रता अमीरी-गरीबी नहीं देखती।

एक दिन अमित के मामा का फोन आया। उन्होंने उसे घूमने के लिए शहर बुलाया था। अमित ने सुमित को भी अपने साथ चलने के लिए तैयार कर लिया। नियत दिन अमित के पिता राम अमित व सुमित को रेलवे स्टेशन छोड़ने आए। जिसके पास बिना मेहनत का यादा पैसा होता है उसकी धन कमाने और बचाने की लालसा बढ़ती ही जाती है। अमित के पिता ने भी दोनों मित्रों को बिना टिकट रेल में बैठाकर समझाया कि किस तरह शहर पहुँचकर उन्हें स्टेशन के एक छोर पर स्थित टूटी हुई ग्रिल के रास्ते से बाहर निकलना है कि टिकिट चेकर से बचा जा सके। अमित के पिता के जाते ही उसने अमित को खूब खरी-खोटी सुनाई

उसे उसके पिता के दिए संस्कारों ने बिना टिकट यात्रा करने की अनुमति नहीं दी। दोनों मित्रों ने अगला कदम तय किया और भागकर टिकट खिड़की पहुँच गए। वहाँ यात्रियों की इतनी लंबी कतार लगी थी मानो कि एक अनार सौ बीमार जैसे-तैसे टिकट लेकर वे रेल में सवार हुए। थोड़ी ही देर बाद एक व्यक्ति ने उनसे पूछा कि बेटा मिठाई खाओगे। मिठाई देखकर सुमित के मुँह में पानी आ गया। उसने हाथ आगे बढ़ाया था कि अमित ने उसका हाथ खींच लिया। फिर धीरे से कानाफूसी करते हुए समझाया कि यात्रा में किसी भी अजनबी से लेकर कोई चीज खाना-पीना नहीं चाहिए।

ऐसे लोग बदमाश हो सकते हैं जो अपना जाल बिछाकर सहयात्रियों को बेहोश करके लूट लेते हैं। ऐसे लोगों के मुँह में राम तथा बगल में छुरी होती है। शहर पहुँचने के बाद दोनों मित्र स्टेशन के बाहर सिर उठाकर पूरी निडरता के साथ आए क्योंकि जेब में टिकट जो रखा था। बाद में इस घटना का पता चलने पर अमित के पिता शर्म से पानी-पानी हो गए। वहीं सुमित के पिता को उस पर बहुत गर्व हुआ। किसी ने ठीक ही कहा है कि साँच को आँच नहीं। अर्थात सच्चे मनुष्य को कोई हानि नहीं पहुँचा सकता।

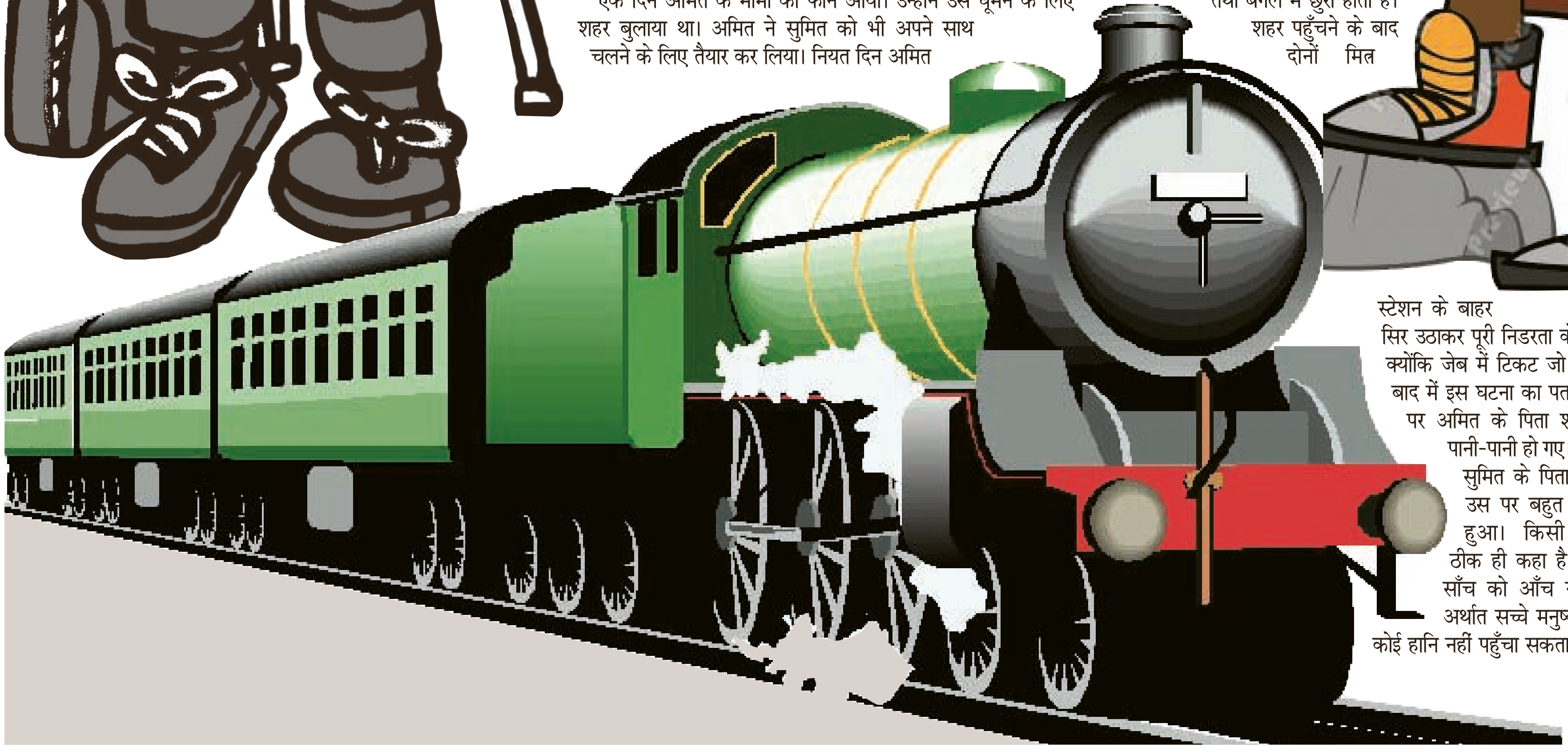

बर्थडे गीत कहां से आय

यह गीत सबसे पहले 'गुड मॉर्निंग टू ऑल' शीर्षक से तैयार हुआ था परंतु बाद में पहले छंद की दूसरी पंक्ति 'हैप्पी बर्थ डे' को इस गीत की शीर्षक पंक्ति बनाया गया। यह गीत 1893 में पैट्टी स्मिथ हिल ने लिखा था और इसका संगीत मिल्ड्रेड जे हिल ने तैयार किया था। इन दोनों ने यह गीत अपने सांग स्टरीज फॉर द किंडर गार्डन के एक भाग के लिए तैयार किया था। 1935 तक यह गीत पुराने शीर्षक से ही बजता रहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नुपुर शर्मा उदयपुर हिंसा की जिम्मेदार नहीं, कभी माफी न मांगें', सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी पर विदेशी सांसद की प्रतिक्रिया

वाशिंगटन। पैगंबर पर टिप्पणी करने वालीं भारतीय जनता पार्टी की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद से राजनीति एक बार फिर से तेज हो गई है। भारत में विपक्षी पार्टी के नेता जहां हिंसा के लिए नुपुर को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं वहीं सत्ता पक्ष इस मामले में कुछ भी कहने से बच रह रहा है। भारत के अलावा अब यह मामला विदेश में भी तुल पकड़ने लगा है लेकिन इन सब के बीच नीदरलैंड के दक्षिणपंथी राजनेता और सांसद गीर्ट वाइल्डर्स ने नुपुर शर्मा का बचाव किया है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद वाइल्डर्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नुपुर शर्मा कन्हैयालाल की हत्या के लिए जिम्मेदार नहीं हैं और उन्हें किसी भी हालत में माफी नहीं मांगनी चाहिए। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नुपुर शर्मा को फटकार लगाई थी और कहा था कि उदयपुर में एक हिंदू दर्जी की हत्या सहित देश में जो कुछ भी हो रहा है, उसके लिए वह अकेली जिम्मेदार हैं।

गीर्ट वाइल्डर्स ने दी तीखी प्रतिक्रिया

मुझे लगा कि भारत में शरिया अदालतें नहीं हैं। पैगंबर के बारे में सच बोलने के लिए उन्हें कभी माफी नहीं मांगनी चाहिए। वह उदयपुर हिंसा के लिए जिम्मेदार नहीं है। कट्टरपंथी असहिष्णु मुसलमान जिम्मेदार हैं और कोई नहीं। बता दें कि इससे पहले भी डच सांसद ने इस मामले में प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि 'यह बहुत हास्यास्पद है कि अरब और इस्लामिक देश

भारतीय नेता नुपूर शर्मा के पैगंबर के बारे में सच बताने पर भड़के हुए हैं। भारत क्यों माफी मांगे?' आगे विल्डर्स ने भारतीयों को सलाह दी कि वह नुपूर शर्मा का बचाव करें। उन्होंने ट्वीट करके कहा, 'तुष्टीकरण कभी काम नहीं करता है। यह चीजों और ज्यादा खराब कर देता है। इसलिए भारत के मेरे मित्रों आप मुस्लिम देशों की धमकी में नहीं आएं। आजादी के लिए खड़े हों और अपनी नेता नुपूर शर्मा के बचाव में गर्व महसूस करें।'

सुप्रीम कोर्ट ने कल दी थी तीखी प्रतिक्रिया

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी से जुड़े नुपुर शर्मा मामले में कड़ा रुख अपनाया। कोर्ट ने नुपुर के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने पर सख्त नाराजगी प्रकट की। तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि उसके बयान से देश उबल गया है। कोर्ट ने नुपुर से टीवी पर आकर माफी मांगने को भी कहा। शीर्ष अदालत ने सवाल किया कि नुपुर को खतरा है या उनके बयान से देश खतरे में पड़ गया है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जो कुछ भी हो रहा है, हम उससे वाकिफ हैं। नुपुर ने जिसके खिलाफ टिप्पणी की उसे गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन नुपुर के खिलाफ अब तक कुछ नहीं हुआ है।

देश में जो रहा उसके लिए नुपुर जिम्मेदार

नुपुर के वकील वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उनकी मुवक्किल की जान का खतरा है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि उन्हें खतरा है या वह सुरक्षा के लिए खतरा बन गई हैं? उन्होंने जिस तरह से पूरे देश में भावनाओं को भड़काया है, देश में जो हो रहा है उसके लिए वह अकेले जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि नुपुर शर्मा द्वारा माफी मांगने और बयान वापस लेने में बहुत देर हो गई। नुपुर ने सशर्त बयान वापस लेते हुए कहा कि अगर भावनाएं आहत हुई हैं तो माफी चाहती हैं।

पूरे देश से माफी मांगे नुपुर- शीर्ष अदालत ने नुपुर शर्मा से कहा कि नुपुर शर्मा को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हमने इस पर बहस देखी कि उसे कैसे उकसाया गया, लेकिन जिस तरह से उसने यह सब कहा और बाद में कहा कि वह एक वकील है, वह शर्मनाक है। उसके बयान की वजह से आज देश जल रहा है। उसे टीवी पर आकर माफी मांगना चाहिए।

पाकिस्तान के चुनाव में मूसेवाला के पोस्टर: इमरान खान की पार्टी कर रही इस्तेमाल, मूसेवाला की लोकप्रियता भुनाने की कोशिश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब राज्य में 17 जुलाई को उपचुनाव होने वाले हैं और वहां चुनाव प्रचार-प्रसार जोरों पर हैं। इस प्रचार में पाकिस्तान के पूर्व प्रधनामंत्री इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ अपने पोस्टर में दिवंगत सिंगर सिद्धू मूसेवाला की फोटो का

इस्तेमाल कर रही है।

इस पोस्टर में मूसेवाला के साथ पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री महमूद कुरैशी के बेटे जैन कुरैशी और वहां के लोकल लीडर्स भी नजर आ रहे हैं। पोस्टर में मूसेवाला की फोटो के साथ नीचे '295' भी लिखा हुआ है, यह उनका सबसे फेमस गाना है। दरअसल, 295 IPC की धारा है, जो धार्मिक भावनाओं को आहत करने पर उपयोग की जाती है। मूसेवाला का गाना भी इसी पर है।

पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं: जैन कुरैशी

होर्डिंग पर मूसेवाला की फोटो के बारे में जैन कुरैशी का कहना है कि, जिन्होंने भी यह पोस्टर छपवाया मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। क्योंकि मूसेवााला की फोटो की वजह से हमारा यह पोस्टर बहुत वायरल हुआ। इससे पहले हमारा कोई पोस्टर इतना वायरल नहीं हुआ। हालांकि हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह पोस्टर किसने लगवाए हैं और इसके पीछे उसका मकसद क्या था।

पाकिस्तान में सेना की आलोचना करने वाले बुजुर्ग पत्रकार पर हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना की आलोचना करना यहां के वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक को भारी पड़ गया। वरिष्ठ पत्रकारअयाज आमिर पर रात लाहौर में अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। एक दिन पहले उन्होंने पाकिस्तान के सैन्य जनरलों को ''प्रोपर्टी डीलर' बताया था। आमिर (73) 'दुनिया न्यूज' पर अपने टीवी कार्यक्रम के प्रसारण के बाद घर लौट रहे थे तभी अज्ञात लोगों ने उन्हें रोका। उन्होंने दावा किया कि उन्हें कार से बाहर खींचा गया और उनसे मारपीट की गयी। आमिर के चेहरे पर खरोंचे आयी हैं और उन्होंने आरोप लगाया कि नकाबपोश बदमाशों ने न केवल ''उन पर हमला किया और उनके कपड़े फाड़े, बल्कि वे उनका मोबाइल फोन और पर्स भी ले गए।

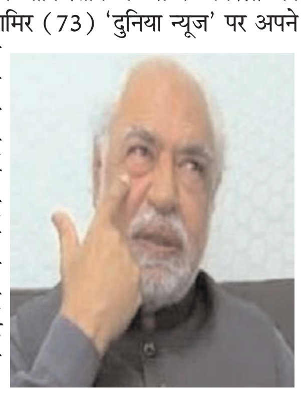

भीड़भाड़ वाली सड़क पर लोगों के इकट्ठा होने के बाद वे (हमलावर) भाग गए।' गौरतलब है कि बृहस्पतिवार को 'सत्ता परिवर्तन और पाकिस्तान पर उसका परिणाम' विषय पर इस्लामाबाद में एक संगोष्ठि में आमिर ने शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान पर पाकिस्तान की राजनीति में उसकी भूमिका को लेकर निशाना साधा। संगोष्ठि में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान भी शामिल हुए थे। उन्होंने सैन्य जनरलों को ''प्रोपर्टी डीलर' बताया था और मोहम्मद अली जिन्ना एवं आलम इकबाल की तस्वीरें हटाकर उनकी जगह ''प्रोपर्टी डीलर्स' की तस्वीरें लगाने का सुझाव दिया था। आमिर के भाषण के कुछ अंश सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गए थे।

चीन में जबरन अंग निकालने का कारोबार बढ़ा, एक और गवाह आया सामने

बीजिंग: चीन पर अक्सर मानवीय अंगों के व्यापार का आरोप लगता रहा है। लेकिन एक और गवाह के सामने आने से उसकी इस क्रूर गतिविधि की पुष्टि हो गई है। चीन में 'जबरन अंग काटने के धंधा तेजी से फल-फूल रहा है। हाल के दशकों में चीनी अधिकारियों ने अपने देश में तेजी से बढ़ते अंग प्रत्यारोपण उद्योग का दावा किया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उनका दावा है कि यह उद्योग जल्द ही अमेरिका के चिकित्सा उद्योग को पीछे छोड़ देगा। लेकिन इस क्षेत्र में अग्रणी विशेषज्ञों द्वारा बड़ी संख्या में किए गए शोध में उजागर हो रहा है कि चीन के प्रत्यारोपण उद्योग में इसका बहुत गहरा, भयावह और अक्सर अवैध पक्ष शामिल है।

'अफगानिस्तान में महिलाओं की स्वतंत्रता पर पाबंदी लगाई जा रही', संयुक्त राष्ट्र में भारत ने जताई चिंता

मास्को। अफगानिस्तान में सार्वजनिक जीवन से महिलाओं को हटाने की बढ़ती कोशिशों को लेकर भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में चिंता जताई। भारत ने इस दौरान महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया और कहा कि पिछले दो दशकों के लंबे समय से लड़ी गई लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। जिनेवा में भारत के राजदूत पुनीत अग्रवाल ने कहा कि भारत और अफगानिस्तान लंबे समय से साझेदार के रूप में काम कर रहे हैं। ऐसे में वहां शांति और स्थिरता की वापसी सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। राजदूत पुनीत ने ये टिप्पणी मानवाधिकार परिषद के 50वें सत्र में अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकारों की स्थिति' पर चर्चा के दौरान की।

भारत ने महिलाओं की स्थिति पर रखा अपना पक्ष

राजदूत पुनीत अग्रवाल ने कहा कि हम अफगानिस्तान में हाल के घटनाक्रमों के बारे में गहराई से चिंतित हैं, जो अफगानिस्तान की महिलाओं और लड़कियों की भलाई को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। अफगानिस्तान में महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से हटाने की कोशिशें बढ़ रही हैं। अग्रवाल ने कहा कि शिक्षा के अधिकार सहित महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनके लिए पिछले दो दशकों के लंबे समय से लड़ी गई लड़ाई को मजबूत करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है।

तालिबानी शासन आने के बाद बढ़ा महिलाओं पर अत्याचार- तालिबान अगस्त 2021 के मध्य में राजधानी काबुल पर कब्जा करने के बाद अफगानिस्तान में सत्ता में लौट आया, जिससे युद्धग्रस्त देश में अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन की उपस्थिति के लगभग 20 वर्षों का तेजी से अंत हो गया।

सत्ता संभालने के बाद, कट्टरपंथी इस्लामी समूह नए कानून जारी कर रहा है, जिसमें कहा गया है कि महिलाओं को केवल आवश्यकता के मामलों में ही अपने घरों को छोड़ना चाहिए और फिर अपने चेहरे को सार्वजनिक रूप से ढंकना चाहिए। इतना ही नहीं तालिबान ने महिलाओं की शिक्षा पर भी अंकुश लगाने का फरमान सुना दिया।

रूस-यूक्रेन जंग-अमेरिका यूक्रेन को 82 करोड़ डॉलर के हथियार देगा; ओडेसा में अपार्टमेंट हमले ने अब तक 21 मौत

लंदन। रूस और यूक्रेन की जंग का 128वां दिन है। लगातार चार महीने से चल रही जंग का नतीजा निकलता नहीं दिख रहा है। इस बीच अमेरिका ने यूक्रेन को 82 करोड़ डॉलर के अतिरिक्त हथियार, इक्युपमेंट्स सप्लाई करने की घोषणा की है। इधर, दक्षिणी यूक्रेन के ओडेसा ओब्लास्ट में एक अपार्टमेंट और एक एंटरटेनमेंट सेंटर्स पर मिसाइल हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। जबकि 30 से ज्यादा घायल हैं।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अब तक तीन बच्चों समेत सात लोगों को रेस्क्यू किया गया है। रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है। ओडेसा

के गवर्नर ने कहा कि यह पूरी तरह से रूस का आतंक है।

स्नेक आइलैंड पर फॉस्फोरस बम दाग रहा रूस

यूक्रेन की सेना ने रूस पर स्नेक आइलैंड पर फॉस्फोरस बम दागने का आरोप लगाया। एक दिन पहले रूसी सैनिकों ने स्नेक आइलैंड छोड़ने का ऐलान किया था। हालांकि यूक्रेन ने दावा किया था कि यूक्रेनी सैनिकों के पलटवार के चलते रूसी सेना इस आईलैंड से भागने पर मजबूर हो गई। रूस और यूक्रेन के बीच ब्लैक सी में मौजूद स्नेक आईलैंड रणनीतिक लिहाज से काफी अहम है।

चीनी कंपनियां कर रही रूस की मदद

यूएस ब्यूरो ऑफ इंडस्ट्री एंड सिक्योरिटी की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने चीन की कई कंपनियों और रिसर्च इंस्टीट्यूट पर रूस के यूद्ध का समर्थन करने का आरोप लगाया है।

पीएम मोदी ने पुतिन से बात की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन की मौजूदा स्थिति पर एक बार फिर भारत के रुख को स्पष्ट किया। PMO ने एक बयान में कहा- यूक्रेन में मौजूदा हालात को लेकर प्रधानमंत्री ने एक बार फिर भारत के डायलॉग और डिप्लोमैसी के रुख को दोहराया है। साथ ही नेताओं ने ग्लोबल और बाइलेट्रल मुद्दों पर लगातार बातचीत जारी रखने की बात कही। दोनों नेताओं ने 2021 में रूसी राष्ट्रपति भी भारत यात्रा के दौरान तय किए गए डेवलपमेंट प्रोगाम पर भी बात की।

सावधान! मंकीपॉक्स बदल रहा लक्षण, ब्रिटेन में मरीजों के निजी अंगों में नजर आए घाव, लैंसेट ने दी रिपोर्ट

लंदन। कोरोना वायरस की तरह ही मंकीपॉक्स भी अपने लक्षण बदल रहा है। प्रतिष्ठित शोध पत्रिका लैंसेट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में मंकीपॉक्स के मरीजों के निजी अंगों में व्यापक जख्म मिले हैं। ये दुनियाभर में पूर्व में मिले मंकीपॉक्स के लक्षणों की तुलना में अलग हैं। द लैंसेट इंफेक्शियस डिजीज जर्नल में प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। शोधकर्ताओं ने लंदन के विभिन्न सेक्सुअल हेल्थ क्लीनिक में पहुंचे 54 रोगियों के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है। इस साल मई में 12 दिनों के दौरान इन मरीजों का मंकीपॉक्स का इलाज किया गया था।

जननांग और गुदा के आसपास घाव दिखाई दिए

शोध में कहा गया है कि इन मरीजों के समूह में शामिल रोगियों में जननांग और गुदा के आसपास त्वचा पर घाव दिखाई दिए। इससे पहले किए गए अध्ययन में मंकीपॉक्स के मरीजों की तुलना में इन मरीजों में थकान और बुखार जैसे लक्षण कम दिखे। शोधकर्ताओं ने लंदन में चार सेक्सुअल हेल्थ क्लीनिकों से

मंकीपॉक्स रोगियों के डाटा एकत्रित किए थे। उन्होंने मरीज के यात्रा इतिहास, यौन संपर्क की जानकारी, लक्षणों व इलाज के डाटा के अध्ययन के आधार पर यह रिपोर्ट तैयारी की है।

बढ़ सकते हैं यौन संक्रमण के मामले

उक्त निष्कर्षों के आधार पर शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया कि मंकीपॉक्स मरीजों की पहचान के लिए इस बीमारी के संभावित लक्षणों की समीक्षा की जानी चाहिए। उनका यह भी अनुमान है कि मंकीपॉक्स मरीजों में जननांग की त्वचा पर घावों बढ़ने और इसके कारण यौन संपर्क से होने वाले संक्रमणों की संख्या बढ़ सकती है। इसका अर्थ है कि यौन स्वास्थ्य केंद्रों या सेक्सुअल हेल्थ क्लीनिकों में भविष्य में मंकीपॉक्स के मामले ज्यादा पहुंच सकते हैं। इन हालातों से निपटने के लिए शोधकर्ताओं ने अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था करने का भी सुझाव दिया है।

ब्रिटेन समेत कई देशों में बढ़ रहे मामले

ब्रिटेन के चेल्सी एंड वेस्टमिंस्टर हॉस्पिटल एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट के निकोलो गिरोमेटी ने कहा है कि अभी यूके समेत कई देशों में यौन क्लीनिक पहुंचने वाले मरीजों में मंकीपॉक्स के केसों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इसका उन देशों से कोई सीधा संबंध नहीं है, जहां यह बीमारी एक एंडेमिक (स्थानीय स्तर) के तौर पर फैल रही है।

ईरान में 6.3 तीव्रता का भूकंप : 5 लोगों की मौत, 19 घायल; यूएई में भी महसूस किए गए झटके

पेरिस। ईरान में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.3 मापी गई। इस दौरान 5 लोगों की जान चली गई। 19 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। इसके झटके फारस की खाड़ी सहित यूएई में भी महसूस किए गए। अब तक यूएई से किसी तरह के नुकसान होने की सूचना नहीं है।

ईरान स्टेट टेलीविजन के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 6.3 मैग्निट्यूड दर्ज की गई है। इसके तुरंत बाद दो और भूकंप दर्ज किए गए। इसका एपिसेंटर पोर्ट सिटी के बंदरगाह के पास बताया गया, जो जमीन से 10 चरूगहराई में था।

कहां था भूकंप का केंद्र?

US जियोलॉजिकल सर्वे के

मुताबिक, भूकंप का केंद्र होर्मोजगन प्रांत के बंदरगाह शहर बंदर अब्बास से 100 किलोमीटर दूर था। भूकंप स्थानीय समयानुसार रात 1.30 बजे आया। एपिसेंटर के सबसे पास बसे सईह खोशो गांव में 5 लोगों की मौत हो गई।

25 जून को भी आया था भूकंप

ईरान के दक्षिणी सूबे में 25

जून को 5.6 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया था। इस आपदा के चलते एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और 30 से अधिक लोग घायल हो गए थे। ईरानी मीडिया ने यह जानकारी थी। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना ने बताया कि एपिसेंटर होर्मोजगन प्रांत के किश द्वीप से 22 किलोमीटर उत्तर पूर्व में था। इसका केंद्र सतह से 22 किलोमीटर नीचे था।

2003 में हो चुकी है 26 हजार लोगों की मौत

इससे पहले भी ईरान भूंकप से होने वाली तबाही का सामना कर चुका है। 2003 में यहां के बाम शहर में 6.6 मैग्निट्यूड का भूकंप आया था। इस दौरान 26000 लोगों की जान गई थी।

भूकंप क्यों आता है?

धरती के अंदर 7 प्लेट्स ऐसी होती हैं जो लगातार घूमती हैं। ये प्लेट्स जिन जगहों पर ज्यादा टकराती हैं, उसे फॉल्ट लाइन जोन कहा जाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब प्रेशर ज्यादा बनने लगता है कि तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। इनके टूटने के कारण अंदर की एनर्जी बाहर आने का रास्ता खोजती है। इसी डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

फ्रांस में हवाई अड्डा कर्मियों ने वेतन वृद्धि को लेकर की हड़ताल, सूडान में तख्तापलट के विरोध में प्रदर्शन

पेरिस। फ्रांसीसी हवाई अड्डों समेत पेरिस के चार्ल्स डे गॉल हवाई अड्डे पर कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी। इससे उड़ानें प्रभावित हुई हैं। कर्मियों ने बढ़ती महंगाई को देखते हुए वेतन बढ़ाने की मांग पर यह हड़ताल की। कर्मचारियों ने सुबह सात बजे से दोपहर दो बजे तक 17 उड़ानों के संचालन में बाधा डाली। ये मुख्यत ःछोटी दूरी की उड़ानें थीं। मजदूर संघों ने कहा कि हड़ताल रविवार तक जारी रह सकती है।

पाकिस्तान में वाईफाई पर ईशनिंदा का आरोप:लोगों ने जमकर मचाई तोड़फोड़, सैमसंग के 27 कर्मचारी हिरासत में

कराची। पाकिस्तान के कराची में एक वाईफाई पर ईशनिंदा का आरोप लगा है। जिसके बाद भीड़ ने जमकर उत्पात मचाया और तोड़फोड़ की। दरअसल कराची के स्टार सिटी मॉल में सैमसंग का 'वाईफाई डिवाइस' लगाया, जिसे लेकर आरोप है कि इसमें ईशनिंदा की गई। इस खबर के फैलते ही लोग भड़क गए और सैमसंग मॉल में तोड़फोड़ की।

मामला बढ़ता देख कराची पुलिस ने सभी वाईफाई डिवाइस को बंद कर दिया और मोबाइल फोन कंपनी के 27 कर्मचारियों को हिरासत में लिया। इसके अलावा, उन्होंने उस डिवाइस को भी जब्त कर लिया जिसने कथित रूप से ईशनिंदा की गई।पुलिस ने कहा- मामले की गंभीरता को समझते हुए, प्रीडी एसएचओ मौके पर पहुंचे, डिवाइस को बंद कर दिया और इसे जब्त कर लिया। सैमसंग ऑफिस के 27 लोगों को हिरासत में लिया गया है

और पूछताछ की जा रही है।

कंपनी जांच के लिए इंटरनल कमेटी गठित की

सैमसंग पाकिस्तान ने भी इसे लेकर सफाई पेश की है। कंपनी का कहना है कि वो लोगों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करती है। इस मामले की जांच के लिए कंपनी एक इंटरनल कमीशन बना रही है। साथ साइबर क्राइम विंग को पूरा सहयोग देने की बात कही।

डेरा इस्माइल में सपने के आधार पर की हत्या

तीन महीने पहले पाकिस्तान के डेरा इस्माइल खान में 3 महिला टीचर्स ने ईशनिंदा के आरोप में अपनी एक सहयोगी महिला टीचर का गला रेतकर हत्या कर दी।

हैरानी की बात यह है कि एक सपने के आधार पर मृतक टीचर के ऊपर ईशनिंदा का आरोप लगाया गया था।

पाकिस्तान पर नजर रखने वाले रक्षा विश्लेषक फरान जैफरी कहते हैं, -ईशनिंदा के मुद्दे को पाकिस्तान में सिर्फ कट्टरवादियों ने ही नहीं बल्कि आम पाकिस्तानियों ने भी हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। ईशनिंदा का मुद्दा पाकिस्तान की अपनी आत्मा की लड़ाई बन गया है। इसके चलते पाकिस्तान के बरेलवी समुदाय में कट्टरता बढ़ रही है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख भागवत आरएसएस की सप्ताह भर चलने वाली बैठक से पहले राजस्थान पहुंचे

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक की सप्ताह भर चलने वाली बैठक से पहले शनिवार को राजस्थान पहुंचे। संघ के सूत्रों ने बताया कि भागवत शनिवार सुबह शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन से जयपुर पहुंचे, जहां राज्य के संघ के नेताओं ने उनकी अगवानी की। इसके बाद वे कुछ देर के लिए भारती भवन गये। भागवत शनिवार शाम चूरू जायेंगे और वहां रात्रि विश्राम करेंगे। भागवत शनिवार को चूरू में तेरापंथ संघ के आचार्य महाश्रमण से मिलेंगे। संघ प्रमुख चार जुलाई से 10 जुलाई तक झुंझुनूं में रहेंगे और और अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक में शामिल होंगे। प्रांत प्रचारक मुख्य बैठक सात से 9 जुलाई तक होगी। बैठक में देशभर के सभी प्रांत प्रचारकों तथा सह प्रांत प्रचारकों के आने की अपेक्षा है।

जल जीवन मिशन योजना में नौकरी का झांसा देकर ठगने वाले दो व्यक्ति गिरफ्तार

शाहजहांपुर। सरकारी योजना जल जीवन मिशन में बेरोजगार लोगों को नौकरी देने के नाम पर 2300 से अधिक लोगों को ठगने वाले गिरोह के सरगना समेत दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसकी जनकारी दी। पुलिस अधीक्षक एस आनंद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि शहर की साउथ सिटी कॉलोनी में कुछ लोग कार्यालय खोलकर बेरोजगारों को ठगने का काम कर रहे हैं जिस पर पुलिस अधीक्षक (नगर) संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापा मारकर गिरोह के सरगना दुर्गेश शुक्ला और मिथिलेश प्रजापति को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपी सरकार की योजना जल जीवन मिशन के नाम पर बेरोजगारों के लिए अखबार में इश्तहार देते थे तथा योग्यता के आधार पर उन्हें फर्जी नियुक्ति पत्र देते। अभ्यर्थियों से पुलिस सत्यापन आदि के नाम पर 2500 से 5000 रुपये लेकर उन्हें नियुक्ति पत्र दिया जाता था और उन्हें जल जीवन मिशन की छपी हुई टी-शर्ट भी ड्रेस के नाम पर देकर गांव में सर्वे का काम दिया जाता था। आनंद ने बताया कि इनके कार्यालय लखनऊ समेत 11 जनपदों में खुले हैं वहां भी यही प्रक्रिया कराते थे। आरोपियों ने बताया कि वे शाहजहांपुर में अब तक 2335 लोगों से नौकरी के नाम पर 40-50 लाख रुपये ठग चुके हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से तमाम जल जीवन मिशन की छपी हुई टी-शर्ट कई नियुक्ति पत्र मोहरे तथा लैपटॉप बरामद किए हैं पुलिस ने आरोपी दुर्गेश शुक्ला तथा मिथिलेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

वरिष्ठ नेता पी सी जॉर्ज को यौन उत्पीड़न मामले में गिरफ्तार किया गया

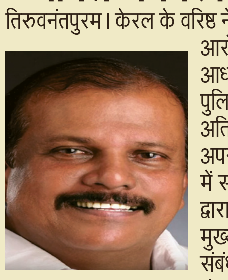

तिरुवनंतपुरम। केरल के वरिष्ठ नेता पी सी जॉर्ज को सोलर पैनल मामले में एक आरोपी द्वारा दायर यौन उत्पीड़न की शिकायत के आधार पर शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि जॉर्ज को यहां स्थित एक अतिथि गृह से छावनी पुलिस ने हिरासत में लिया। अपराध शाखा के अधिकारी जॉर्ज से अतिथि गृह में सोने की तस्करी मामले में आरोपी स्वप्ना सुरेश द्वारा लगाए गए तस्करी के आरोपों के सिलसिले में मुख्यमंत्री को बदनाम करने की साजिश रचने के संबंध में पूछताछ कर रहे थे। जॉर्ज पर भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (ए) के तहत यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली सरकार प्रदूषण का करेगी मुकाबला, 2022 में 35 लाख पौधे लगाएगी

नयी दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को कहा कि प्रदूषण का प्रभावी तरीके से मुकाबला करने के लिए दिल्ली सरकार का राष्ट्रीय राजधानी में 35 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। राय ने कहा कि हम दिल्ली के हरित क्षेत्र को और बढ़ाने के लिए कई कदम उठा रहे हैं तथा हमारा लक्ष्य इस साल विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी में 35 लाख पौधे लगाना है। उन्होंने कहा कि सरकार शहर में 11 जुलाई से 15 दिनों का पौधरोपण अभियान 'वन महोत्सव' शुरू करेगी। राय ने कहा , ''दिल्ली सरकार शहर की आबोहवा सुधारने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। प्रदूषण का मुकाबला करने के लिए हमने जो कदम उठाए हैं, उसने पूरे देश के लिए उदाहरण पेश किया है।'' उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में 14 नर्सरियों के संपर्क नंबर लोगों को उपलब्ध कराए जाएंगे। राय ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''दिल्ली ने अपना हरित क्षेत्र बढ़ाकर 32 प्रतिशत कर लिया है तथा हमारा लक्ष्य इसमें और वृद्धि लाना है।'' इस कार्यक्रम में पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली सरकार की पेड़ लगाने की पहल के तहत औषधीय पौधों का मुफ्त वितरण भी किया।

अमरनाथ यात्रा: 6,113 तीर्थयात्रियों का नया जत्था जम्मू से गुफा मंदिर के लिए रवाना

जम्मू।दक्षिण कश्मीर के हिमालय में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन के लिए शनिवार को यहां भगवती नगर आधार शिविर से कड़ी सुरक्षा के बीच 1,292 महिलाओं समेत 6,113 तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तीर्थयात्रियों में 195 साधु और 25 बच्चे भी शामिल है और वे शनिवार को ही अनंतनाग जिले के पहलगाम और गंदेरबल जिले के बालटाल के आधार शिविरों में पहुंचेंगे। अब तक करीब 20,000 से अधिक श्रद्धालु प्राकृतिक रूप से निर्मित हिम शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। यह 43 दिवसीय यात्रा 30 जून को शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुए ताजा जत्थे में 4,173 श्रद्धालु 148 वाहनों में पहलगाम आधार शिविर के लिए रवाना हुए, जबकि अन्य 1,940 श्रद्धालु 80 वाहनों में बालटाल मार्ग पर यात्रा के लिए रवाना हुए। इसके साथ ही 29 जून से अब तक घाटी के लिए भगवती नगर आधार शिविर से 23,214 यात्री रवाना हो चुके हैं। यह यात्रा रक्षा बंधन के दिन श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर 11 अगस्त को खत्म होगी।

बिहार में बिना नीतीश कुमार एनडीए की कल्पना भी नहीं की जा सकती: उपेंद्र कुशवाहा

पटना । बिहार में बीजेपी की गठबंधन साथी जेडीयू के संसदीय बोर्ड अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा सीएम नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में बिना नीतीश कुमार के एनडीए की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने अंग्रेजी में कहा कि बिहार में एनडीए इज नीतीश कुमार एंड नीतीश कुमार इज एनडीए। उपेंद्र कुशवाहा ने ये बयान महाराष्ट्र की राजनीति में आए संकट को लेकर पूछे गए एक सवाल के ऊपर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर उनकी बात को लेकर किसी के मन में गलतफहमी तो वे निकाल दें। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि जेडीयू की राजनीति ना कभी किसी की कृपा के ऊपर हुई है और ना ही आगे भी होगी। नीतीश कुमार हर फैसला लेने में पूरी तरह सक्षम हैं। बिहार में एनडीए के फैसले भी नीतीश कुमार ही लेते हैं। ऐसे में अगर किसी के मन में कोई गलतफहमी है तो दूर कर ले। बिहार में नीतीश कुमार की लीडरशिप है तो एनडीए है। नीतीश कुमार के बिना एनडीए की कल्पना नहीं की जा सकती है। महाराष्ट्र की तरह बिहार में खेला होने के सवाल पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि दोनों राज्यों में बिल्कुल अलग परिस्थिति है। महाराष्ट्र में जिस धारणा पर बीजेपी है, उसी पर शिवसेना भी है। ऐसे में भाजपा की कोशिश है कि राज्य में एक धारणा वाली दो पार्टी ना रहें, इस कोशिश के साथ महाराष्ट्र में यह सब हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में हम एनडीए के पात्र जरूर हैं लेकिन बीजेपी और जेडीयू की धारणा बिल्कुल अलग है। इसमें कोई समझौता नहीं हो सकता है।

सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादों पर प्रतिबंध का नार्वे दूतावास ने किया स्वागत

नई दिल्ली। भारत के सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने के समर्थन में नार्वे के दूतावास ने पानी की बोतलों और प्लास्टिक की ऐसी अन्य वस्तुओं का इस्तेमाल बंद करने का फैसला किया है। एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक की कुछ वस्तुओं पर प्रतिबंध शुक्रवार से लागू हो गया। इसके साथ ही राज्य सरकारों ने ऐसी वस्तुओं के उत्पादन, वितरण, भंडारण और बिक्री में लगी इकाइयों की पहचान करने और उन्हें बंद करने के लिए एक अभियान शुरू किया है। नॉर्वे दूतावास ने कहा कि एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक की वस्तुओं पर पाबंदी के भारत के फैसले के समर्थन में दूतावास ने ऐसी सामग्री के इस्तेमाल को रोकने का फैसला किया है।

भाजपा और कांग्रेस पर बरसे केजरीवाल, एमपी की जनता से बोले- एक मौका 'आप' को दो, हम करेंगे सभी मुद्दों का समाधान

भोपाल। (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश में निकाय चुनावों के लेकर सियासत गर्मायी हुई है। तमाम राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए तरह-तरह की रणनीतियां अपनाई हुई हैं। इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सिंगरौली में रोड शो किया। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस के लोग कुछ काम-धंधा नहीं करते हैं।

ईमानदार पार्टी है 'आप'

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूरे देश में भाजपा-कांग्रेस, कांग्रेस-भाजपा, यही खेल चल रहा है। ये लोग कुछ काम-धंधा नहीं करते हैं। इन लोगों ने आपस में सेटिंग कर रखी है लेकिन दिल्ली वालों ने ये सेटिंग तोड़ दी और दोनों पार्टियों को उखाड़ फेंका। आज दिल्ली में बहुत काम हो रहा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में हमने स्कूल और अस्पताल ठीक कर दिया है। बिजली भी मुफ्त कर दी है। आम आदमी पार्टी ईमानदार पार्टी है। हम लोग दूसरे नेताओं की तरह पैसे नहीं खाते हैं। मध्य प्रदेश की जनता से मेरी अपील है कि एक मौका आम आदमी पार्टी को दो, हम नगर निगम के सभी मुद्दों का समाधान करेंगे।

इसी बीच उन्होंने कहा कि दिल्ली के सारे लोगों का इलाज हमने मुफ्त कर दिया है। दिल्ली में कोई भी बीमार हो, चाहे उसे कितनी बड़ी बीमारी हो, दिल्ली सरकार उसका इलाज मुफ्त कराती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हमने बिजली 24 घंटे कर दी और फ्री कर दी। आज तक भारत में ऐसा नहीं हुआ, दिल्ली के बाद पंजाब में भी बिजली फ्री कर दी। हमारे पास पैसा कहां से आता है ? ईमानदारी की वजह से पैसा आता है, भ्रष्टाचार को समाप्त करके।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सिंगरौली में एक मौका दो और हमारे प्रत्याशियों को जिताओं, झाड़ू को वोट दो। मैं बता रहा हूं कि 5 साल में सिंगरौली का हुलिया बदल देंगे और अगर काम नहीं करेंगे तो अगली बार मैं वोट नहीं मागने आऊंगा। उन्होंने जनता से कहा कि अगर हमने काम नहीं किया तो हमें वोट मत देना। इतने सालों से इतनी सारी पार्टियों को वोट दे रहे हो, एक बार हमें भी वोट देकर देखो।

हैदराबाद में अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष नड्डा से मुलाकात करूंगा : बोम्मई

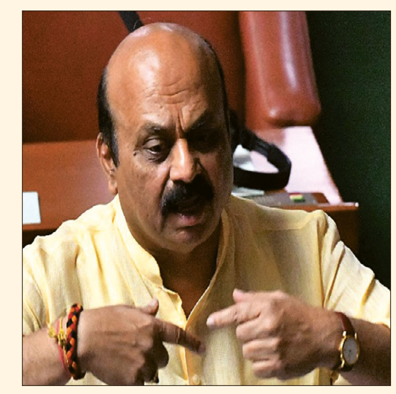

बेंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शनिवार को कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में हिस्सा लेने के लिए अपनी हैदराबाद यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात करेंगे। बोम्मई ने हैदराबाद रवाना होने से पहले संवाददाताओं से यह बात कही। भाजपा की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस बैठक में पार्टी के शीर्ष नेता हिस्सा लेंगे। बोम्मई ने कहा कि शाह और नड्डा के साथ उनकी केवल एक औपचारिक मुलाकात होगी। उन्होंने कहा कि इस मुलाकात में कर्नाटक में खाली पड़े पांच मंत्री पदों को भरने के लिए कैबिनेट विस्तार पर कोई चर्चा नहीं होगी।

चीफ जस्टिस रमना ने सत्ताधारी और विपक्षी दलों पर कस तंज, न्यायपालिका केवल संविधान के प्रति जवाबदेह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के चीफ जस्टिस एम वी रमना ने न्यायपालिका और विधायिका पर बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दलों का मानना है कि सरकारी कार्रवाई न्यायिक समर्थन के हकदार हैं, वहीं विपक्षी दल उम्मीद करते हैं कि यह उनके कारण का समर्थन करेगा। लेकिन यह समझना जरूरी है कि न्यायपालिका केवल संविधान के प्रति जवाबदेह है। रमना ने कहा कि देश ने अभी भी संविधान द्वारा प्रत्येक संस्थान को सौंपी गई भूमिकाओं की पूरी तरह से सराहना करना नहीं सीखा है।

एक कार्यक्रम में सीजेआई ने कहा, जैसा कि हम इस वर्ष स्वतंत्रता के 75वें वर्ष का जश्न मना रहे हैं, जब हमारा गणतंत्र 72 वर्ष का हो गया है, तब कुछ अफसोस के साथ, मुझे यहां यह जोड़ना चाहिए कि हमने अभी भी संविधान द्वारा प्रत्येक संस्थान को सौंपी गई भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की पूरी तरह से सराहना करना नहीं सीखा है। सत्ताधारी पार्टी का मानना है कि हर सरकारी कार्रवाई न्यायिक

समर्थन की हकदार है। विपक्षी दलों को उम्मीद है कि न्यायपालिका अपने राजनीतिक पदों और कारणों को आगे बढ़ाएगी। जबकि न्यायपालिका केवल संविधान के प्रति जवाबदेह है।'

सीजेआई ने कहा, यह आम जनता के बीच बड़ी अज्ञानता है, जो ऐसी ताकतों की सहायता कर ही, जिनका एकमात्र उद्देश्य न्यायपालिका को खत्म करना है। मैं इसे स्पष्ट कर दूं, हम केवल और केवल संविधान के प्रति जवाबदेह हैं। उन्होंने कहा कि 'संविधान में परिकल्पित नियंत्रण और संतुलन को लागू करने के लिए हमें भारत में संवैधानिक संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। हमें व्यक्तियों और संस्थानों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता फैलाने की जरूरत है। लोकतंत्र सभी की भागीदारी के बारे में है'।

संयुक्त राज्य अमेरिका का उदाहरण देकर सीजेआई ने 'भारत सहित दुनिया में हर जगह' समावेशिता को सम्मानित करने की आवश्यकता पर जोर दिया और आगाह किया कि 'एक गैर-समावेशी दृष्टिकोण आपदा के लिए एक निमंत्रण है'। भारतीय समुदाय की उपलब्धियों की सराहना कर सीजेआई ने कहा, यह अमेरिकी समाज की सहनशीलता और समावेशी प्रकृति है, जो दुनिया भर से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करने में सक्षम है, जो बदले में इसके विकास में योगदान दे रही है। व्यवस्था में समाज के सभी वर्गों के विश्वास को बनाए रखने के लिए विविध पृष्ठभूमि से योग्य प्रतिभाओं को सम्मानित करना भी आवश्यक है। सीजेआई ने कहा कि दीर्घकालिक विकास के लिए बनी इस तरह की नींव को कभी भी बाधित नहीं किया जाना चाहिए। पूरी दुनिया में सरकार बदलने के साथ नीतियां बदलती हैं। लेकिन कोई भी समझदार, परिपक्व और देशभक्त सरकार नीतियों में इस तरह से बदलाव नहीं करेगी जो उसके अपने क्षेत्र के विकास को धीमा या रोक दे।

मुफ्त बिजली का एक बार फिर राग गाएंगे अरविंद केजरीवाल, रविवार से गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर सीएम

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक अरविंद केजरीवाल रविवार से दो दिवसीय यात्रा पर गुजरात आएंगे तथा इस दौरान वह ÷मुफ्त बिजली÷ के मुद्दे पर एक बैठक करेंगे और पार्टी के नए पदाधिकारियों को शपथ दिलाएंगे। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। उन्होंने शनिवार को कहा कि अहमदाबाद में दो दिवसीय दौरे के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री 'आप' के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे और पार्टी के सदस्यों संग बातचीत करेंगे। गुजरात में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसके लिए केजरीवाल नीत पार्टी तैयारी कर रही है। आप के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव इसुदान गढ़वी ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'केजरीवाल रविवार को अपराह्न तीन बजे अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। वह शाम चार बजे एक कार्यक्रम में 7,500 नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाएंगे। वे पार्टी के लिए तहेदिल से काम करने की शपथ लेंगे और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करेंगे।' उन्होंने कहा कि गत माह आप ने अपने राज्य का संगठन भंग कर दिया था, जिसके बाद इन पदाधिकारियों को नियुक्त किया गया। गढ़वी ने कहा, 'महंगाई के कारण लोग परेशान हैं इसलिए हमारी पार्टी ने 'मुफ्त बिजली' अभियान चलाया है। अगर दिल्ली और पंजाब के लोगों को मुफ्त बिजली मिल सकती है तो गुजरात के लोगों को क्यों नहीं?'

नुपुर शर्मा की विवादास्पद टिप्पणी को लेकर ओडिशा विधानसभा में हंगामा

भुवनेश्वर (एजेंसी)।

पैगंबर मोहम्मद पर नुपुर शर्मा की कथित विवादास्पद टिप्पणी को लेकर विपक्षी दलों कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हंगामे के चलते ओडिशा विधानसभा की कार्यवाही शनिवार को कई बार स्थगित की गयी। कांग्रेस विधायक दल के नेता नरसिंह मिश्रा ने प्रश्नकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया और शर्मा के बयान पर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक का विचार जानना चाहा। उन्होंने कहा, ''नुपुर शर्मा भाजपा की प्रवक्ता या एजेंट थीं। कल उच्चतम न्यायालय ने उन्हें फटकार लगायी एवं परोक्ष रूप से इस राजनीतिक दल की आलोचना भी की।'' उन्होंने कहा कि इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए एवं पार्टी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है। मिश्रा के बयान से भाजपा के सदस्य नाराज हो गये और अपनी सीट के निकट खड़े होकर कांग्रेस पर आरोप लगाने लगे। सदन में भाजपा के उपनेता बी. सी. सेठी ने कहा कि हाल में राजस्थान में दर्जी की हत्या हुई है, और वहां कांग्रेस सत्तारूढ़ हैं। उदयुपर की घटना का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, ''क्या उस राज्य के मुख्यमंत्री ने इस घटना के बाद इस्तीफा दिया? नुपुर शर्मा ओडिशा विधानसभा की सदस्य नहीं हैं। तो उनकी टिप्पणी पर बहस क्यों होनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि इसके अलावा, भाजपा ने उन्हें निलंबित भी कर दिया है एवं उन्होंने अपने बयान के लिए माफी भी मांग ली है। सेठी ने कश्मीर से कश्मीरी पंडितों के पलायन के मुद्दे पर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। सदन में नारेबाजी जारी रहने के बीच दोनों विपक्षी दलों के सदस्य एक-दूसरे पर कार्रवाई की मांग करते हुए आसन के समीप आ गये। विधानसभा अध्यक्ष बी. के. अरूख ने कहा कि सदन उस व्यक्ति पर चर्चा नहीं कर सकता है जो इस उसका सदस्य नहीं है एवं यहां मौजूद नहीं है। पिछले ही महीने अरूख विधानसभा अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। अध्यक्ष के बयान पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताई और उन्होंने अपना विरोध तेज कर दिया। इसके बाद अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को दो बार 10-10 मिनट के लिए और बाद में शाम चार बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

मनरेगा ने कोविड के दौरान लाखों लोगों के लिए रक्षक की भूमिका निभाई : राहुल गांधी

वायनाड(केरल)। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने कोविड-19 महामारी के दौरान लाखों भारतीयों को बचाने में रक्षक की भूमिका निभाई, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन(संप्रग) सरकार द्वारा लागू की गई इस योजना द्वारा देश के असहाय लोगों को दी गई राहत और सुरक्षा को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं थे।

मनरेगा को कांग्रेस नीत संप्रग सरकार की नाकामियों का एक ''जीता-जागता स्मारक'' बताने को लेकर मोदी की आलोचना करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बड़े पैमाने पर लोगों को रोजगार देने वाली इस योजना की गंभीरता को नहीं समझा और वह नहीं जानते हैं कि इसने (मनरेगा ने) देश के श्रम बाजार को कैसे परिवर्तित कर दिया और कैसे यह लाखों लोगों के लिए अंतिम सहारा बन गया। वायनाड से सांसद ने कहा कि नोटबंदी और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के ''त्रुटिपूर्ण'' क्रियान्वयन से देश की अर्थव्यवस्था खस्ताहाल हो गई है, ऐसे में यह योजना आम आदमी की आजीविका को बचाने के लिए अब कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। वह यहां अपने संसदीय क्षेत्र के एक आदिवासी बहुल ग्राम पंचायत नेनमेनी में मनरेगा कामगारों को संबोधित कर रहे थे।

राहुल ने कहा, ''मैंने कोविड (महामारी) के दौरान देखा कि लाखों लोग बेरोजगार हो गये और मनरेगा ने उन्हें बचाया। बेशक, प्रधानमंत्री ने तब मनरेगा पर टिप्पणी नहीं की। और उन्होंने बाद में भी मनरेगा के बारे में कुछ नहीं कहा।'' उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है कि यह स्पष्ट हो चुका है कि जिस योजना को मोदी ने संप्रग की नाकामियों का ''जीता-जागता स्मारक'' बताया था, उसने असल में महामारी के दौरान भारत को बचाया। उन्होंने याद किया कि जब संप्रग सरकार यह योजना लेकर आई थी, तब नौकरशाहों और अन्य ने इसे धन की भारी बर्बादी करार देते हुए इसका काफी प्रतिरोध किया था।

राहुल ने कहा कि लेकिन इस योजना का उद्देश्य गरिमा के साथ देश का निर्माण करना है, राष्ट्र के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए अपने लोगों का उपयोग करना और श्रम की गरिमा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, ''इस योजना को हमारे लोगों को बचाने के लिए लाया गया था और किसी तरह से यह धर्मार्थ कार्य नहीं था।'' उन्होंने कहा कि वह संसद में मनरेगा के खिलाफ मोदी को बोलते और इसे संप्रग सरकार की नाकामियों का ''जीता-जागता स्मारक'' करार देते हुए सुनकर स्तब्ध हो गये थे। उन्होंने मनरेगा को समाधान का महज एक हिस्सा बताते हुए कहा कि देश की अर्थव्यस्था और रोजगार सृजन इस कार्यक्रम के इंजन हैं और यदि वे उपयुक्त तरीके से काम नहीं करेंगे तो मनरेगा अनुपयोगी हो जाएगा।

राहुल ने कहा, ''समाज में सद्भावना की जरूरत है। ये कुछ ऐसी चुनौतियां हैं जिनका देश सामना कर रहा है...हमें इसका समाधान करने के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए।'' उन्होंने मनरेगा कामगारों को राष्ट्र निर्माता बताया और इनके कार्य को महत्व नहीं देने को लेकर मीडिया की आलोचना की। राहुल ने कहा कि मीडिया क्रिकेट और हॉलीवुड की बातें करता है, लेकिन वह साधारण कामगारों के अनुकरणीय कार्य को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दे रहा है। उन्होंने केंद्र से मनरेगा कार्य दिवस को बढ़ा कर 200 दिन करने और इसके तहत काम करने वाले कामगारों का दैनिक पारिश्रमिक बढ़ा कर 400 रुपये करने तथा योजना का विस्तार धान की खेती जैसे क्षेत्रों में करने की मांग पर विचार करने का आग्रह किया।

सीएम योगी ने किया फायर स्टेशन का लोकार्पण, कहा- दो सालों में हर तहसील में होगा अग्निशमन केंद्र

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश के 18 जिलों के लिए 25 अग्निशमन केंद्रों का लोकार्पण किया तथा 25 अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगले दो वर्ष में प्रदेश की हर तहसील में हर हाल में अग्निशमन केंद्र की स?थापना की जाए। शुक्रवार को यहां लोक भवन (मुख्यमंत्री कार्यालय) के सभागार में 25 अग्निशमन केंद्रों के लोकार्पण के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख?यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तेजी से ऐसे कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसके माध्यम से पूरे पुलिस बल की व्यवस्था को बेहतर किया जा सके। उन्होंने कहा कि विगत पांच वर्षों में प्रदेश में डेढ़ लाख से अधिक पुलिस कार्मिकों की भर्ती की गयी है, जिससे प्रदेश की कानून व्यवस्था बेहतर हुई और प्रदेश में निवेश बढ़ा है। राज्य के बारे में लोगों की धारणा बदली है तथा प्रदेश के नौजवानों को रोजगार व नौकरियां मिलीं हैं।

योगी ने कहा कि आज प्रदेश में एक नया माहौल बना है और उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर निरन्तर बढ़ता हुआ देश व दुनिया के लिए आकर्षण का केन्द्र बना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि अगले दो वर्ष में हर तहसील में अग्निशमन केन्द्र की स्थापना हर हाल में कर ली जाए। योगी ने कहा कि पूरे प्रदेश में पिछले पांच वर्ष में 97 अग्निशमन केंद्र स्वीकृत किये गये थे जिनमें से 30 बनकर तैयार हो चुके हैं और आज इनमें से 25 का लोकार्पण हो रहा है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने जिन 18 जिलों के 25 अग्निशमन केन्द्रों कालोकार्पण किया, उनमें अतर्रा एवं नरैनी (बांदा), कोरांव (प्रयागराज), सिराथू (कौशाम्बी), कांठ (मुरादाबाद), मड़िहान (मिर्जापुर), कुलपहाड़ (महोबा), बांसगांव (गोरखपुर), दातागंज (बदायूं), बदलापुर, मड़ियाहू एवं केराकत (जौनपुर), घोरावल (सोनभद्र), जयसिंहपुर (सुलतानपुर), सकलडीहा (चन्दौली), जमनियां (गाजीपुर), कैसरगंज, पयागपुर एवं महसी (बहराइच), महराजगंज

(रायबरेली), मऊ, मानिकपुर एवं राजापुर (चित्रकूट), शिकारपुर (बुलंदशहर) तथा पुरवा (उन्नाव) शामिल हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

5 ईंच बारिश में गुजरात के सबसे लंबे एलिवेटेड पर ब्रिज पर भरा पानी, एक तरफ का रास्ता बंद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा,गुजरात के ज्यादातर जिलों में मॉनसून पहुंच चुका है7 दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के बाद मध्य गुजरात व उत्तरी गुजरात में अच्छी बारिश हो रही है। उत्तरी गुजरात के बनासकांठा में पांच ईंच बारिश होने से राज्य के सबसे बड़े एलिवेटेड ब्रिज जलमग्न हो गया है। ब्रिज पर करीब एक फूट पानी भर जाने से एक तरफ का रास्ता बंद कर दिया गया है। ब्रिज पर पानी की निकासी के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं किए जाने की वजह से ब्रिज पर पानी भर गया है। ब्रिज पर पानी भर जाने को लेकर इसे बनानेवाले की गंभीर लापरवाही और प्रशासन पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। अगस्त 2021 में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस ब्रिज का वर्च्युअल लोकार्पण किया था। गुजरात के इस सबसे लंबे एलिवेटेड ब्रिज पर रु 194.25 करोड़ खर्च किए गए थे। बनासकांठा जिले के पालनपुर और डीसा के बीच बने इस ब्रिज से लोगों को बड़ी राहत मिली थी। लेकिन अब पांच ईंच बारिश होने से ब्रिज पर एक फूट पानी भर जाने से एक ओर का रास्ता बंद कर दिया गया है। दूसरी ओर भारी बारिश के चलते डीसा के निचले इलाकों में जलजमाव हो गया है। शहर के आखोल चौराहे के निकट करीब 50 जितनी दुकानों में पानी भर गया है। करीब 4 से 5 फूट पानी भर जाने से दुकानदारों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। शहर के व्होला क्षेत्र में दो मकान ढहने की खबर है। राहत की बात है कि इस में कोई जानहानि नहीं हुई। तेज हवा के साथ हुई मूशलाधार बारिश से मौसम ठंडा हो गया है और लोगों को गर्मी व उमस से काफी राहत मिली है।

24 घंटों में गुजरात की 176 तहसीलों में बारिश, आणंद का सीसवा गांव बेट में तब्दील

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

24 घंटों में गुजरात की 176 तहसीलों में बारिश होने से जनजीवन काफी प्रभावित हुआ है। भारी बारिश के चलते आणंद जिले का सीसवा गांव द्वीप में तब्दील हो गया है। सीसवा गांव में मूशलाधार बारिश होने के बाद राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की टीमों भेजा गया है। 20 घंटे से गांव का एक युवक के लापता होने की खबर के बाद उसकी तलाश शुरू की गई है। गुरुवार की रात आणंद के बोरसद में 4-5 घंटों के भीतर 12 ईंच बारिश हुई थी। जिसके बाद अब जिले के सीसवा गांव पानी पानी हो गया है। करीब 350 जितने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सीसवा के मकान, दुकान और खेत सभी जलमग्न हो चुके हैं। मकान और दुकानों में पानी भर जाने से जरूरी चीजवस्तुएं बर्बाद हो गई हैं। दूसरी ओर मौसम विभाग ने आगामी चार दिन राज्य में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। सौराष्ट्र, मध्य गुजरात, उत्तर गुजरात में भारी और दक्षिण गुजरात के सूरत, वलसाड और नवसारी में अतिभारी बारिश होने का अनुमान है। अहमदाबाद में भी सामान्य बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों में राज्य की 176 तहसीलों में बारिश हुई है। जिसमें 14 तहसीलों में 4 से 8 ईंच और 7 तहसीलों में 3 से 4 ईंच बारिश होने की खबर है। बारिश होने से साबरमती नदी में नई जलराशि आई है।

बारिश ने दिखाई अधिकारीयों का किये कार्य का आईना

ग्राम पंचायत, नगर पालिका के समय की समस्या आज भी सुरत महानगर पालिका में

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, सुरत सचीन क्षेत्र वोर्ड न.30 में वर्षों से लगातार बारिश के समय में रास्ता पर , घरों में , अनेक सोसायटी जलमग्न हो जाते हैं ,जो समस्याएं काफी समय से होने के बाद भी आज दिन तक बारिश के समय में जल भराव् की समस्याएं बरकरार हैं, अधिकारी समय-समय पर मानसूनीवर्षा के तरह आते-जाते लोगों को आश्वासन देकर मिस्टर इन्डिया बन जाते हैं, जब तरह की की तस्वीरें देखकर अधिकारी और नगर सेवक ऑफिस में कुछ खास चर्चाएँ कर समस्याएं का निराकरण करें तो सचीन की जनता के लिए एक वरदान सबित होगा.

अलग-अलग क्षेत्रों में इस प्रकार पानी का भराव हुआ जो तस्वीरें में स्पष्ट देख सकते हैं